ज्येष्ठ कृष्ण - 8 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 11 ■ अंक - 301 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » शुक्रवार » 31-05-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 भारत की जर्सी पहनना अलग अहसास है, उम्मीद है कि इसे यादगार बना पाऊंगा : पंत

6 तंबाकू के जहर में घुलती अनमोल जिंदगियां

7 एक्ट्रेस होने से थोड़ा टफ है बिजनेसवुमन होना : सोनाक्षी सिन्हा

फर्स्ट टेक

सपा नेता आजम खां को 10 साल की कैद, 14 लाख रू का जुर्माना

रामपुर (उप्र)/भाषा। रामपुर जिले की एक विशेष अदालत ने एक व्यक्ति का घर जबरन खाली कराकर उसे ध्वस्त करवाने के आठ साल पुराने एक मामले में समाजवादी पार्टी (सपा) के वरिष्ठ नेता और उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री आजम खां को बृहस्पतिवार को 10 साल की कैद और 14 लाख रुपए जुर्माने की सजा सुनायी। इस मामले में खां तथा एक अन्य अभियुक्त ठेकेदार बरकत अली को बुधवार को दोषी करार दिया गया था। उन्हें गुरुवार को सजा सुनायी गई।

पाकिस्तान ने चीन की मदद से बहुद्देश्यीय संचार उपग्रह प्रक्षेपित किया

इस्लामाबाद/बीजिंग/भाषा। पाकिस्तान ने बृहस्पतिवार को अपने मित्र देश चीन की मदद से तीव्र इंटरनेट संपर्क के लिए एक बहुद्देश्यीय संचार उपग्रह प्रक्षेपित किया। पाकिस्तान द्वारा एक महीने में प्रक्षेपित किया गया यह दूसरा उपग्रह है। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, बहुद्देश्यीय संचार उपग्रह को पाकसैट एमएम1 के नाम से भी जाना जाता है। इसे चीन के दक्षिण-पश्चिमी प्रांत सिचुआन के शीचांग उपग्रह प्रक्षेपण केंद्र से प्रक्षेपित किया गया। एजेंसी ने बताया कि उपग्रह योजना के तहत कक्षा में स्थापित किया गया। सरकारी प्रसारक पाकिस्तान टेलीविजन ने एक बयान में कहा कि यह उपग्रह ''पूरे पाकिस्तान में सर्वोत्तम इंटरनेट सुविधाएं प्रदान करेगा तथा टेलीविजन प्रसारण, मोबाइल फोन और ब्रॉडबैंड सेवाओं को बेहतर बनाने में मदद करेगा। अंग्रेजी अखबार 'डॉन' अखबार की खबर के अनुसार, उपग्रह अगस्त में सेवा प्रदान करना शुरू कर देगा।

जवानों ने मणिपुर में बाढ़ से 1,000 लोगों को बचाया : असम राइफल्स

इंफाल/भाषा। असम राइफल्स के जवानों ने मणिपुर में बाढ़ प्रभावित इलाकों से करीब 1,000 लोगों को बचाया है। यह राज्य चक्रवात रेमल के कारण लगातार बारिश से बुरी तरह प्रभावित हुआ है। असम राइफल्स ने एक बयान में कहा कि उसके जवानों ने मंगलवार को इंफाल शहर में बाढ़ प्रभावित इलाकों में सफलतापूर्वक बचाव अभियान चलाया और परेशान एवं फंसे हुए लोगों को सहायता प्रदान की। बयान में कहा गया कि विनाशकारी बाढ़ के पानी से करीब 1,000 स्थानीय लोगों को बचाया गया। इसमें कहा है कि सटीकता और करुणा के साथ चलाया गया यह अभियान संकट के समय जानमाल और समुदायों की सुरक्षा करने के लिए सुरक्षा बलों की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

आपातकाल के दौरान कांग्रेस ने संविधान का 'गला घोंटा': मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

होशियारपुर (पंजाब)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'संविधान-संविधान की रट लगाने' के लिए बृहस्पतिवार को कांग्रेस पर निशाना साधा और कहा कि उसने आपातकाल के दौरान ही उसका 'गला घोंट' दिया था तथा जब 1984 के दंगों में सिखों की हत्या हो रही थी तब भी उसने इसकी कोई परवाह नहीं की।

मोदी ने सात चरण में हो रहे लोकसभा चुनाव के आखिरी चरण में अपनी आखिरी चुनावी रैली में विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' ('इंडिया') गठबंधन के खिलाफ हमला तेज करते हुए उस पर सेना को 'राजनीति का हथियार' बनाने का आरोप लगाया और कहा कि इससे बड़ा 'कोई पाप' नहीं हो सकता। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस और 'इंडी' गठबंधन ने भारतीय सशस्त्र बलों को कमजोर करने के लिए कभी कोई कसर नहीं छोड़ी।

कांग्रेस को निशाना बनाते हुए मोदी ने जीप घोटाले, बोफोर्स, पनडुब्बी और सेना के ट्रक घोटाले का जिक्र किया और कहा कि उन्होंने सेना की जरूरतों की कभी परवाह नहीं की।

मोदी ने आरोप लगाया, उन्होंने भ्रष्टाचार में लिप्त होकर केवल सरकारी खजाने को लूटने और खाली करने की योजना बनाई।

होशियारपुर से पार्टी उम्मीदवार अनीता सोम प्रकाश और आनंदपुर साहिब से उम्मीदवार सुभाष शर्मा के पक्ष में यहां आयोजित रैली में प्रधानमंत्री ने आरक्षण, भ्रष्टाचार और राम मंदिर के मुद्दों पर भी बात की।

भाजपा के सत्ता में आने पर संविधान को खत्म करने के कांग्रेस के आरोप पर पलटवार करते हुए मोदी ने कहा, आजकल देश के लोग इंडी गठबंधन वालों से संविधान-संविधान की रट सुन रहे हैं। ये वो लोग हैं जिन्होंने आपातकाल के दौरान संविधान का गला घोंट दिया था। जब 84 के दंगों में सिखों के गले में टायर बांधकर जलाया जा रहा था, तब इन्हें संविधान की याद नहीं आई। उन्होंने आरोप लगाया कि आरक्षण के मुद्दे पर कांग्रेस और 'इंडिया' गठबंधन की मंशा खतरनाक है। उन्होंने कहा, पिछले 10 सालों में मैंने हमेशा एससी/एसटी/ओबीसी के लिए आरक्षण की रक्षा की है।

प्रधानमंत्री ने कहा, कांग्रेस और इंडिया गठबंधन मेरे प्रयासों से नाराज है। आरक्षण को लेकर उनकी नीयत खतरनाक है। उनका पूरा ट्रैक रिकॉर्ड एससी, एसटी और ओबीसी का आरक्षण छीनने का रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कन्याकुमारी विवेकानंद रॉक मेमोरियल में ध्यान साधना शुरू की

कन्याकुमारी (तमिलनाडु)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार की शाम यहां प्रसिद्ध विवेकानंद रॉक मेमोरियल में 45 घंटे तक चलने वाली अपनी ध्यान साधना शुरू की। निकटवर्ती तिरुवनंतपुरम से हेलीकॉप्टर द्वारा यहां पहुंचने के बाद मोदी ने भगवती अम्मन मंदिर में पूजा की और नौका सेवा के जरिये रॉक मेमोरियल पहुंचे तथा ध्यान साधना शुरू की। प्रधानमंत्री की ध्यान साधना एक जून तक चलेगी। धोती और सफेद शॉल ओढ़े मोदी ने मंदिर में पूजा-अर्चना की और गर्भगृह की परिक्रमा की। पुजारियों ने एक विशेष आरती की और उन्हें मंदिर का प्रसाद दिया गया, जिसमें एक शॉल और मंदिर के देवता की फ्रेमयुक्त तस्वीर शामिल थी। बाद में, वह राज्य सरकार के जहाजरानी निगम द्वारा संचालित नौका सेवा के जरिये रॉक मेमोरियल पहुंचे और 'ध्यान मंडपम' में ध्यान लगाना शुरू किया।

ध्यान लगाना शुरू करने से पहले, मोदी कुछ देर के लिए मंडप की ओर जाने वाली सीढ़ियों पर खड़े रहे।

चेन्नई के अंतरिक्ष स्टार्ट-अप

'अग्निकुल' ने अग्निबाण रॉकेट का उप-कक्षीय परीक्षण सफलतापूर्वक किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

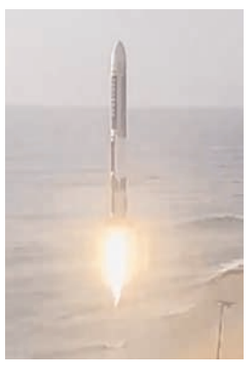

नई दिल्ली/भाषा। चेन्नई के अंतरिक्ष 'स्टार्ट-अप' 'अग्निकुल कॉसमॉस' ने बृहस्पतिवार को श्रीहरिकोटा स्थित अपने प्रक्षेपण स्थल से अपने स्वदेश निर्मित '3डी-प्रिंटेड सेमी-क्रायोजेनिक रॉकेट अग्निबाण' का उप-कक्षीय परीक्षण सफलतापूर्वक किया। अग्निकुल कॉसमॉस यह उपलब्धि हासिल करने वाली भारत की दूसरी निजी इकाई बन गई है।

चार असफल प्रयासों के बाद बृहस्पतिवार को सुबह सात बजकर 15 मिनट पर परीक्षण बिना किसी लाइव स्ट्रीमिंग के, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के श्रीहरिकोटा में स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र में कुछ गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में किया गया।

अग्निकुल कॉसमॉस ने कहा, श्रीहरिकोटा में स्थित अपने प्रक्षेपण स्थल से अग्निबाण एसओआरटीईडी के हमारे पहले उड़ान - मिशन 01 के सफल समापन की घोषणा करते हुए हमें बेहद खुशी हो रही है।

स्टार्ट अप ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा ''यह उपलब्धि हमने अपने और भारत के पहले तथा एकमात्र निजी प्रक्षेपक स्थल से हासिल की गई जो श्रीहरिकोटा में एसडीएससी-एसएचएआर में है।

इसने कहा कि इस नियंत्रित उड़ान में मिशन के सभी लक्ष्य हासिल किए गए। स्टार्ट अप के अनुसार, प्रक्षेपक वाहन पूरी तरह स्वदेश में डिजाइन किया गया था और यह दुनिया के पहले '3डी प्रिंटेड सिंगल इंजन' से संचालित था। यह सेमी क्रायो इंजन से भारत की पहली उड़ान है।

300 वाहन जलकर खाक

उत्तर-पूर्वी दिल्ली के वजीराबाद इलाके में पुलिस प्रशिक्षण केंद्र के 'मालखाना' में बृहस्पतिवार को आग लगने से कम से कम 300 वाहन जलकर खाक हो गए। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। डीएफएस के अधिकारियों के मुताबिक, आग लगने की इस घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आग की इस घटना में करीब 125 चार पहिया वाहन और 175 दो पहिया वाहन जलकर खाक हो गए।

जम्मू में बस खाई में गिरी, 22 यात्रियों की मौत, 57 घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। जम्मू जिले में बृहस्पतिवार को श्रद्धालुओं को लेकर जा रही एक बस के सड़क से फिसलकर खाई में गिर जाने से 22 यात्रियों की मौत हो गयी तथा 57 घायल हो गये। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि यह दुर्घटना जिले के चौकी चोरा क्षेत्र के टुंगी मोड़ पर हुई। उन्होंने बताया कि बस करीब 150 फुट गहरी खाई में गिर गई।

जम्मू के जिला मजिस्ट्रेट ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर बताया कि घटना की मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दे दिए गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इस घटना में 22 लोगों की मौत हो गई है और 57 लोग घायल हुए हैं।

होटल व्यवसायी की हत्या के जुर्म में

गैंगस्टर छोटा राजन को आजीवन कारावास की सजा

मुंबई/भाषा। मुंबई की एक विशेष अदालत ने 2001 में होटल व्यवसायी जय शेट्टी की हत्या के जुर्म में गैंगस्टर छोटा राजन को बृहस्पतिवार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के तहत मामलों के विशेष न्यायाधीश एएम पाटिल ने राजन को हत्या के जुर्म में भारतीय दंड संहिता के प्रावधानों के तहत दोषी ठहराया। जय शेट्टी मध्य मुंबई के गामदेवी में गोल्डन क्राउन होटल का मालिक था। छोटा राजन गिरोह की ओर से जबरन वसूली की धमकियों का सामना कर रहे जय शेट्टी को गिरोह के दो कथित सदस्यों ने चार मई 2001 को होटल की पहली मंजिल पर गोली मार दी थी।

'इंडि' गठबंधन को मिलेगा पूर्ण बहुमत : मल्लिकार्जुन खरगे

सभी घटक दल मिलकर करेंगे प्रधानमंत्री पर फैसला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बृहस्पतिवार को कहा कि देश की जनता चार जून को वैकल्पिक सरकार का जनादेश देगी और 'इंडि' गठबंधन पूर्ण बहुमत हासिल करते हुए देश को एक समावेशी और राष्ट्रवादी सरकार देगा। उन्होंने संवाददाताओं से यह भी कहा कि जीत के बाद 'इंडि' गठबंधन के घटक दलों से बातचीत के आधार पर प्रधानमंत्री का फैसला होगा। खरगे ने कहा कि जनता ने विपक्ष एवं कांग्रेस की इस बात पर मुहर लगा दी है कि अगर मोदी सरकार फिर से आई, तो लोकतंत्र खत्म हो जाएगा। उन्होंने दावा किया कि इस चुनाव में भाजपा ने बांटने की कोशिश की, लेकिन लोगों ने असली मुद्दों को चुना। खरगे ने कहा, हमें विश्वास है कि चार जून, 2024 को देश में जनता एक नई वैकल्पिक सरकार को जनादेश देगी। 'इंडि' गठबंधन पूर्ण बहुमत से सरकार बनाएगा।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, हम सभी मिलकर संप्रग (संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन) की तर्ज पर इस देश को एक समावेशी, राष्ट्रवादी और विकासोन्मुखी सरकार देंगे और सभी को साथ लेकर आगे बढ़ेंगे।

लोकसभा चुनाव के नतीजे चार जून को घोषित होंगे।

यह पूछे जाने पर कि विपक्षी गठबंधन की जीत की स्थिति में प्रधानमंत्री का फैसला कब तक होगा, तो उन्होंने कहा, हम सबको बुलाएंगे, सबकी राय लेंगे। गठबंधन के लोग जो कहेंगे, उसके आधार पर प्रधानमंत्री के बारे में तय करेंगे।

जनरल बाजवा पर भरोसा करने का अफसोस : इमरान खान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इस्लामाबाद/भाषा। भ्रष्टाचार सहित विभिन्न मामलों में जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने बृहस्पतिवार को कहा कि पद पर रहते हुए किए गए कार्यों में से जिस एकमात्र कार्य पर उन्हें अफसोस है, वह है जनरल (सेवानिवृत्त) कमर जावेद बाजवा पर भरोसा करना।

उन्होंने आरोप लगाया कि तत्कालीन सेना प्रमुख ने दूसरा सेवा विस्तार पाने के लिए उनके बारे में ''कहानियां'' फैलाई।

विपक्ष ने अप्रैल 2022 में अविश्वास प्रस्ताव के जरिए 71 वर्षीय खान को सत्ता से अपदस्थ कर दिया था। खान ने बाजवा पर उनकी सरकार के खिलाफ अहम भूमिका निभाने का आरोप लगाया था।

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के संस्थापक खान वर्तमान में कई मामलों में अदियाला जेल में बंद हैं। उन्होंने पाकिस्तान के राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व की आलोचना की।

डॉन अखबार में छपी खबर के मुताबिक खान ने यह विचार पत्रकार मेहदी हसन को दिए साक्षात्कार में व्यक्त किए हैं। खबर के मुताबिक जब खान से पूछा गया कि उनको कारागार में डालने के लिए वह किसे जिम्मेदार मानते हैं, तो पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा, ''मुझे पूरा यकीन है कि यह सब जनरल बाजवा का किया धरा है। मैं इसके लिए किसी और को जिम्मेदार नहीं मानता। उन्होंने इसकी सावधानीपूर्वक योजना बनाई और उसे अंजाम दिया, खुद को एक धोखेबाज व्यक्ति के रूप में पेश किया, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अराजकता फैलाने के लिए झूठ और झूठी कहानियां गढ़ीं। यह सब उन्होंने अपने सेवा विस्तार के लिए किया।'' खान ने कहा कि प्रधानमंत्री के तौर पर उन्होंने 2019 में जनरल बाजवा के लिए तीन साल का सेवा विस्तार मंजूर किया था। यह मंजूरी उनके सेना प्रमुख के पद से सेवानिवृत्त होने से बमुश्किल तीन महीने पहले दी गई थी। हालांकि, 2022 में 'बोल न्यूज' को दिए गए एक साक्षात्कार में खान ने कहा था कि उन्होंने सेवा विस्तार देकर गलती की है। खान ने अपने साक्षात्कार में कहा, ''वह (बाजवा) लोकतंत्र और पाकिस्तान पर अपने कार्यों के हानिकारक प्रभाव को समझने में पूरी तरह विफल रहे।''

केरल और पूर्वोत्तर में

मानसून ने दी समय से पहले दस्तक

नई दिल्ली/भाषा। दक्षिण-पश्चिम मानसून ने बृहस्पतिवार को केरल और पूर्वोत्तर क्षेत्र में समय से पहले दस्तक दे दी, जिससे भारत की कृषि आधारित अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण चार महीने की वर्षा ऋतु की शुरुआत हो गई।

मौसम वैज्ञानिकों ने कहा कि रविवार को पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश से गुजरे चक्रवात रेमल ने मानसून के प्रवाह को बंगाल की खाड़ी की ओर खींच लिया है, जो पूर्वोत्तर में मानसून के जल्दी पहुंचने का एक कारण हो सकता है। मौसम विभाग ने 15 मई को 31 मई तक केरल में मानसून के आगमन की घोषणा की थी।

केरल और पूर्वोत्तर में मानसून का एक साथ आगमन बहुत कम देखने को मिला है और इससे पहले चार बार 2017, 1997, 1995 और 1991 में ऐसा हुआ है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग ने कहा, दक्षिण-पश्चिम मानसून केरल में प्रवेश कर चुका है और आज, 30 मई, 2024 को पूर्वोत्तर भारत के अधिकांश हिस्सों में आगे बढ़ गया है। मौसम कार्यालय ने कहा कि दक्षिण-पश्चिम मानसून ने पूरे नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश और त्रिपुरा, मेघालय और असम के कुछ हिस्सों समेत पूर्वोत्तर क्षेत्र के अधिकांश भागों में दस्तक दे दी है।

साल 1971 और 2024 के बीच, केरल में मानसून का सबसे पहले आगमन 1990 में हुआ था और उस साल 18 मई को राज्य में मानसून की शुरुआत हुई थी।

सूर्यास्त	सूर्योदय
01-06-2024 6:31 बजे	01-06-2024 5:41 बजे

BSE	NSE
73,885.60 (-617.30)	22,488.65 (-216.05)

सोना	चांदी
7,466 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	96,500 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

हिन्दु स्थान

सारे हैं भारत माँ के सुत,
इस सकल राष्ट्र के अभिन्न अंग।
'सब हैं हिन्दू' हिंदुस्तानी,
जो हिंदुस्तां में रहे संग।
धरती का वाचक हिन्द शब्द,
चाहे इसके हों विविध रंग।
कथनी करनी हो एक अगर,
तो नहीं रंग में पड़े भंग।।

पिछले वित्त वर्ष में निवेशकों ने 27,000 करोड़ रु. के स्वर्ण बॉन्ड खरीदे : आरबीआई रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। अधिक रिटर्न और कर लाभ की संभावनाओं से सरकारी स्वर्ण बॉन्ड की तरफ रुझान बढ़ रहा है। निवेशकों ने पिछले वित्त वर्ष में 27,031 करोड़ रुपए के बॉन्ड खरीदे जो 2022-23 में खरीदे गए स्वर्ण बॉन्ड का चार गुना हैं। वित्त वर्ष 2023-24 में सरकारी स्वर्ण बॉन्ड (एसजीबी) के जरिये 44.34 टन सोने की खरीद 6,551 करोड़ रुपए में की गई। बॉन्ड जारी करने वाले रिजर्व बैंक की वार्षिक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, 2023-24 के दौरान एसजीबी से जुटाई गई कुल राशि 27,031 करोड़ रुपए (44.34 टन) है। पिछले वित्त वर्ष में एसजीबी को चार चरणों में जारी किया गया था।

नवंबर, 2015 में एसजीबी योजना की शुरुआत के बाद से 67 चरणों में कुल 72,274 करोड़ रुपए (146.96 टन) जुटाए गए हैं। पिछले एक साल में 24 कैरेट प्रति 10 ग्राम सोने की कीमत लगभग 62,300 रुपए से बढ़कर 73,200 रुपए हो गई है।

एसजीबी सोने के ग्राम में अंकित होने वाली सरकारी प्रतिभूतियां हैं। ये भौतिक सोने का विकल्प हैं। ये बॉन्ड पूंजीगत लाभ कर से भी मुक्त हैं। इसके अलावा, बॉन्ड पर शुरुआती निवेश की राशि पर सालाना 2.50 प्रतिशत की दर से ब्याज भी मिलता है।

एसजीबी एक ग्राम सोने के मूल्य-वर्ग तथा उसके गुणकों में जारी किए जाते हैं। न्यूनतम निवेश एक ग्राम होना चाहिए जबकि व्यक्तियों के लिए अधिकतम चार किलोग्राम निवेश की सीमा है।

सरकारी स्वर्ण बॉन्ड राष्ट्रीयकृत बैंकों, अधिसूचित निजी बैंकों, विदेशी बैंकों, नामित डाकघरों, स्टॉक होल्डिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एसएचसीआईएल) और अधिकृत शेयर बाजारों के कार्यालयों या शाखाओं के जरिये सीधे या उनके एजेंटों के जरिये बेचे जाते हैं।

चलन में मौजूद 500 रुपए के नोट की कुल हिस्सेदारी 86.5 प्रतिशत पर पहुंची: आरबीआई

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बृहस्पतिवार को कहा कि चलन में मौजूद कुल मुद्रा में 500 रुपए मूल्य के नोट की हिस्सेदारी मार्च, 2024 तक बढ़कर 86.5 प्रतिशत हो गई जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह 77.1 प्रतिशत थी। केंद्रीय बैंक की वार्षिक रिपोर्ट में इस उछाल के लिए पिछले साल मई में 2,000 रुपए मूल्य के नोट को वापस लेने की घोषणा को मुख्य वजह बताया गया है। इस फैसले की वजह से 2,000 रुपए मूल्य के नोट की हिस्सेदारी एक साल पहले की समान अवधि के 10.8 प्रतिशत से घटकर सिर्फ 0.2 प्रतिशत रह गई। आरबीआई की वार्षिक रिपोर्ट में साझा किए गए आंकड़ों के मुताबिक, 31 मार्च, 2024 तक मात्रा के हिसाब से 500 रुपए के सर्वाधिक 5.16 लाख नोट मौजूद थे, जबकि 10 रुपए के नोट 2.49 लाख संख्या के साथ दूसरे स्थान पर रहे। रिपोर्ट कहती है कि वित्त वर्ष 2023-24 में चलन में मौजूद बैंक नोटों के मूल्य और मात्रा में क्रमशः 3.9% और 7.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई जबकि पिछले वित्त वर्ष में यह वृद्धि क्रमशः 7.8 प्रतिशत और 4.4 प्रतिशत रही थी। मूल्य के लिहाज से चलन में मौजूद बैंक नोटों की संख्या में बढ़ोतरी हाल के वर्षों में सबसे कम है।

आरबीआई का 2024-25 में वृद्धि दर सात प्रतिशत रहने का अनुमान, बही-खाता पाकिस्तान के जीडीपी का ढाई गुना

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था के सात प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान लगाया है। यह दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में वृद्धि की सबसे तेज रफ्तार होगी। केंद्रीय बैंक ने 2023-24 की वार्षिक रिपोर्ट में कुल मुद्रास्फीति में कमी आने की उम्मीद जताई है। हालांकि, खाद्य मुद्रास्फीति के बढ़ने का संकेत देते हुए रिपोर्ट में कहा गया है कि यह आपूर्ति पक्ष के झटकों के कारण संवेदनशील बनी रहेगी।

भारतीय रिजर्व बैंक के बही-खाते का आकार मार्च, 2024 तक 11.08% बढ़कर 70.47 लाख करोड़ रुपए हो गया है। यह पाकिस्तान के कुल सकल घरेलू उत्पाद (करीब 340 अरब अमेरिकी डॉलर) का करीब 2.5 गुना है। रिपोर्ट में कहा गया कि भारतीय अर्थव्यवस्था ने 2023-24 (अप्रैल 2023 से मार्च 2024 वित्त वर्ष) में मजबूत गति से विस्तार किया, जिससे वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर बढ़कर 7.6% हो गई है। यह 2022-23 में सात प्रतिशत थी। यह लगातार तीसरे वर्ष सात प्रतिशत या उससे अधिक रही। वित्त वर्ष 2023-24 में अर्थव्यवस्था ने लगातार चुनौतियों के बावजूद जुझारुपन दिखाया। जीडीपी वृद्धि को बैंकों तथा कॉरपोरेट जगत की स्वस्थ बैलेंस शीट, पूंजीगत व्यय पर सरकार के ध्यान देने और विवेकपूर्ण मौद्रिक, नियामकीय तथा राजकोषीय नीतियों से समर्थन मिला है। हालांकि, भारतीय अर्थव्यवस्था प्रतिकूल वैश्विक समष्टि आर्थिक तथा वित्तीय परिवेश से जूझ रही है। वित्त वर्ष 2023-24 के खरीफ और रबी दोनों मौसम में एमएसपी ने सभी फसलों के लिए उत्पादन लागत पर न्यूनतम 50% लाभ सुनिश्चित किया। रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय अर्थव्यवस्था, व्यापक आर्थिक तथा वित्तीय स्थिरता के परिदृश्य में अगले दशक में वृद्धि की गति को तेज करने की अच्छी स्थिति में है। इसमें कहा गया, कुल (हेडलाइन) मुद्रास्फीति के निर्धारित स्तर की ओर बढ़ने से खासतौर पर ग्रामीण क्षेत्रों में उपभोग मांग में तेजी आएगी। बाह्य क्षेत्र की मजबूती व विदेशी मुद्रा भंडार घरेलू आर्थिक गतिविधियों को वैश्विक प्रभावों से बचाएंगे। रिपोर्ट में कहा गया कि भू-राजनीतिक तनाव, भू-आर्थिक विखंडन, वैश्विक वित्तीय बाजार में अस्थिरता, अंतरराष्ट्रीय जिंस कीमतों में उतार-चढ़ाव और अनिश्चित मौसमी घटनाक्रम वृद्धि के कम होने तथा मुद्रास्फीति के बढ़ने का जोखिम उत्पन्न करते हैं।

बम की अफवाह वाली इंडिगो उड़ान के छह चालक दल सदस्य ड्यूटी से हटाए गए

नई दिल्ली/भाषा। विमानन सेवा इंडिगो ने दिल्ली-वाराणसी उड़ान में बम की अफवाह के बाद 176 यात्रियों को विमान से निकाले जाने के मामले में दो पायलटों समेत छह चालक दल सदस्यों को ड्यूटी से हटा दिया है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। इंडिगो की दिल्ली-वाराणसी उड़ान में 28 मई को बम की धमकी मिली थी जो जांच में झूठी पाई गई। हालांकि, सभी यात्रियों को दिल्ली हवाईअड्डे पर विमान से आपात स्लाइड के जरिये निकाल लिया गया था। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो क्लिप में एक पायलट सामान के साथ आपात स्लाइड के जरिये विमान से बाहर आते हुए देखा गया था। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय मानकों के तहत यात्री और चालक दल निकासी के समय अपना सामान नहीं ले सकते हैं क्योंकि इससे निकासी का समय बढ़ जाएगा। एक सूत्र ने कहा कि पट्टे पर विमान मुहैया कराने वाली कंपनी के दो पायलटों और इंडिगो के चार चालक दल सदस्यों को ड्यूटी से हटा दिया गया है। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के एक सूत्र ने चालक दल को ड्यूटी से हटाए जाने की पुष्टि की।

पुणे पोर्श हादसा : आरोपी किशोर के रक्त के नमूनों को एक महिला के खून के नमूनों से बदला गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। महाराष्ट्र के पुणे में पोर्श कार दुर्घटना में शामिल किशोर के रक्त के नमूनों को एक महिला के खून के नमूनों से बदला गया ताकि यह साबित किया जा सके कि इस हादसे के समय वह नशे की हालत में नहीं था। पुलिस ने बृहस्पतिवार को एक अदालत में यह जानकारी दी।

सत्र न्यायालय ने पुलिस की याचिका स्वीकार कर ली और इस मामले में गिरफ्तार किए गए ससून जनरल अस्पताल के दो चिकित्सकों और एक कर्मचारी की हिरासत अवधि पांच जून तक बढ़ा दी। पुलिस ने अदालत से कहा कि वे उस महिला की पहचान करना चाहते हैं जिसके खून के नमूनों से किशोर के रक्त के नमूनों को बदला गया था। सरकारी सूत्र ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि वह कोई और नहीं बल्कि किशोर की मां थी। नमूनों की कथित अदला-बदली का मामला सामने आने के बाद ससून अस्पताल के फॉरेंसिक मेडिसिन विभाग के तत्कालीन प्रमुख डॉ. अजय तावड़े, चिकित्सा अधिकारी डॉ. श्रीहरि हलनोर और कर्मचारी अतुल घाटकांबले को गिरफ्तार किया गया था। उनकी प्रारंभिक हिरासत समाप्त होने पर उन्हें अदालत के समक्ष पेश किया गया। पुलिस ने उनकी आगे की हिरासत की मांग करते हुए कहा कि डॉ. हलनोर ने किशोर के रक्त के नमूनों को फेंका नहीं था - जैसा कि पहले माना गया था - बल्कि उन्हें किसी को सौंप दिया था। पुलिस ने कहा कि वह किशोर के रक्त के नमूनों को प्राप्त करना चाहते हैं।

महाराष्ट्र लोक स्वास्थ्य विभाग के एक उच्च पदस्थ सूत्र ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि किशोर को बचाने के लिए उसकी मां के रक्त के नमूने का इस्तेमाल प्रतिस्थापन के रूप में किया गया।

स्मार्ट टीवी की बिक्री मार्च तिमाही में 14% गिरी, चाइनीज' ब्राड में 30 प्रतिशत की गिरावट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत में स्मार्ट टीवी की बिक्री मार्च तिमाही में 14 प्रतिशत गिर गई है। 'काउंटरपॉइंट रिसर्च' की बृहस्पतिवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

इसमें कहा गया है कि ऊंचे भंडारण तथा कमजोर उपभोक्ता मांग की वजह से 2024 के कैलेंडर साल में स्मार्ट टीवी की बिक्री में 10 प्रतिशत की गिरावट आने का अनुमान है। इसके अलावा, तिमाही के दौरान चीन के ब्रांड के स्मार्ट टीवी की बिक्री में 30 प्रतिशत गिरावट आने के बीच शाओमी को पछाड़कर सैमसंग शीर्ष स्थान पर पहुंच गई है। रिपोर्ट के अनुसार, चीनी ब्रांड की बिक्री में 30 प्रतिशत की गिरावट 'वनप्लस, हायर और रियलमी' जैसे ब्रांड के कारण थी। पहली तिमाही में सैमसंग की बिक्री में 40 प्रतिशत की बढ़त दर्ज हुई। कुल स्मार्ट टीवी की बिक्री में इसकी हिस्सेदारी 16 प्रतिशत रही। इसके बाद दक्षिण कोरिया की कंपनी एलजी का स्थान है, जिसने भारत में 43 प्रतिशत की वृद्धि के साथ कुल स्मार्ट टीवी बिक्री में 15 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल की है।

लोकसभा चुनाव के सातवें व अंतिम चरण के लिए प्रचार थमा

वाराणसी/चंडीगढ़/भाषा। लोकसभा चुनाव के सातवें और अंतिम चरण के लिए उन 57 सीट पर प्रचार का शोर बृहस्पतिवार शाम थम गया जहां एक जून को मतदान है। इनमें केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ की एक, पंजाब की सभी 13 और हिमाचल प्रदेश की चार, उत्तर प्रदेश की 13, पश्चिम बंगाल की नौ, बिहार की आठ, ओडिशा की छह और झारखंड की तीन लोकसभा सीट शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उत्तर प्रदेश के वाराणसी संसदीय क्षेत्र से लगातार तीसरी बार मैदान में हैं। देश के 28 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 486 सीट पर मतदान हो चुका है। पहले छह चरणों में मतदान क्रमशः 66.14 प्रतिशत, 66.71, 65.68, 69.16, 62.2 और 63.36 फीसदी रहा। मतों की गिनती चार जून को होगी। चुनाव प्रचार के दौरान मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेताओं ने कांग्रेस और विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) पर भ्रष्ट, हिंदू विरोधी होने, तुष्टीकरण और वंशवादी राजनीति में संलिप्त होने जैसे आरोप लगाए। विपक्षी दल दावा कर रहे हैं कि भाजपा किसान विरोधी, युवा विरोधी है और चुनाव जीतने पर संविधान को बदल देगी तथा उसे खत्म कर देगी। ओडिशा में एक रैली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने यह भी दावा किया कि भाजपा नेता मोदी को भगवान विष्णु के ग्यारहवें अवतार के रूप में पेश करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन देश के लोग इसे स्वीकार नहीं करेंगे।

दिल्ली के अस्पताल में आग

अदालत ने मालिक और चिकित्सक को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की एक मेट्रोपोलिटन अदालत ने बृहस्पतिवार को उस निजी अस्पताल के मालिक और ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सक को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया, जहां 25 मई को आग लगने से सात नवजात बच्चों की मौत हो गई थी और पांच घायल हो गए थे।

मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट विधि गुप्ता आनंद ने अस्पताल के मालिक डॉ. नवीन खिची और पिछले शनिवार देर रात आग लगने के समय ड्यूटी पर मौजूद डॉ. आकाश को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। इस बीच, डॉक्टर ने जमानत याचिका दायर की है, जिस पर तीन जून को सुनवाई होगी। पूर्वी दिल्ली के विवेक विहार में बेबी केयर न्यू बोर्न चाइल्ड अस्पताल में शनिवार रात भीषण आग लग गई थी, जिसका संचालन कथित तौर पर लाइसेंस समाप्त होने पर भी और अग्निशमन विभाग से किसी मंजूरी के बिना अवैध रूप से किया जा रहा था। विवेक विहार थाने में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 336 (दूसरों के जीवन और व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालने वाला कार्य), 304 ए (लापरवाही से मौत का कारण बनना), 304 (गैर इरादतन हत्या) और 308 (गैर इरादतन हत्या करने का प्रयास) के तहत मामला दर्ज किया गया है। दोनों को रविवार को गिरफ्तार करने के बाद 27 मई को पुलिस हिरासत में भेज दिया गया था।

'एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग केंद्र की नीतियों पर सफलता की मुहर'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी ने बृहस्पतिवार को एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स की भारत की विकास संभावनाओं के संबंध में जारी रिपोर्ट को केंद्र की नीतियों की सफलता पर 'मुहर' बताया और विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि वे इसे नहीं देख सकते क्योंकि उनकी आंखों पर पट्टी बंधी हुई है।

एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने भारत के आर्थिक परिदृश्य को 'स्थिर' से बढ़ाकर 'सकारात्मक' कर दिया। यह पहली बार है जब एसएंडपी ने भारत की रेटिंग को लेकर सकारात्मक परिदृश्य पेश किया है। हालांकि, रेटिंग एजेंसी ने भारत की रेटिंग को 'बीबीबी-' के सबसे निचले निवेश स्तर पर बरकरार रखा है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद जफर इस्लाम ने यहां पार्टी मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, यह एक बड़ी उपलब्धि है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीतियों और पिछले 10 वर्षों में उनकी सरकार द्वारा लिए गए फैसलों पर मुहर है। उन्होंने कहा कि वैश्विक रेटिंग एजेंसियां भारत को एक विकसित देश बनाने के मोदी के संकल्प को समझने लगी हैं और उनकी सरकार की नीतिगत पहलों और देश की प्रगति के लिए लिए गए फैसले अब स्पष्ट रूप से सामने आने लगे हैं। उन्होंने कहा, हमारी विपक्षी पार्टियां इसे नहीं देख सकतीं क्योंकि उनकी आंखों पर पट्टी बंधी हुई है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और अन्य विपक्षी दलों के नेताओं की आंखों पर पट्टी बंधी हुई है, न कि वैश्विक एजेंसियों की। वे स्पष्ट रूप से भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास को देख रहे हैं। यही कारण है कि उन्होंने भारत के दृष्टिकोण को सकारात्मक की ओर बढ़ाया है।

कांग्रेस ने इस चुनाव में विमर्श खड़ा किया, प्रधानमंत्री 'बैकफुट' पर चले गए : रमेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि इस लोकसभा चुनाव के दौरान उनकी पार्टी ने किसी 'अगर-मगर या किन्तु-परंतु' के बिना विमर्श खड़ा किया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बैकफुट पर चले गए।

लोकसभा चुनाव के सातवें चरण के मतदान से पहले चुनाव प्रचार के आखिरी दिन रमेश ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ बातचीत में यह भी कहा कि इस चुनाव में 'इंडिया' गठबंधन को स्पष्ट एवं निर्णायक जनादेश मिलेगा। उन्होंने कहा, पहले दो चरणों के बाद यह मेरे लिए स्पष्ट हो गया था कि परिवर्तन की बयार बह रही है। उनका कहना था कि दक्षिण में भाजपा साफ और उत्तर, पूर्व एवं पश्चिम भारत में 'हाफ' है। रमेश ने कहा कि इस लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस के अभियान को राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' ने एक मजबूत आधार प्रदान किया क्योंकि इस यात्रा के दौरान ही कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने 'पांच न्याय' और '25 गारंटी' की घोषणा की। यह पूछे जाने पर कि क्या कांग्रेस 2014 और 2019 के चुनावों की तुलना में अधिक सफलतापूर्वक लोगों तक पहुंचने में सक्षम रही, उन्होंने कहा 'भारत जोड़ो यात्रा' परिवर्तनकारी थी और इसने राहुल गांधी के लिए संपर्क और संगठन के लिए सामूहिकता प्रदान की। करीब दो साल पहले कांग्रेस के संचार विभाग के प्रभारी की जिम्मेदारी संभालने वाले रमेश ने कहा, शुरुआत में ही मैंने कहा था कि जहां तक संचार का सवाल है हमारी नीति 'एसीटी' होनी चाहिए। 'ए' का मतलब 'एग्रेशन' (आक्रामकता), सी का मतलब 'कोहेसिव' (सामंजस्य) और 'टी' का मतलब 'टाइमली' (समयबद्धता) है।

दिल्ली में ई-रिक्शा चालक ने महिला को नशीला पदार्थ पिलाकर किया दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय राजधानी में एक ई-रिक्शा चालक द्वारा 25-वर्षीय महिला को कथित तौर पर नशीला पदार्थ पिलाकर उससे दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मामले में उत्तर दिल्ली के कोतवाली इलाके से आरोपी मोहम्मद उमर (24) को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस उपायुक्त (उत्तर) मनोज कुमार मीणा ने बताया, छब्बीस मई को कोतवाली पुलिस थाने को डकैती की घटना की पीसीआर कॉल आई, जिसके बाद मौके पर पुलिस टीम पहुंची। वहां पर महिला घायल अवस्था में मिली और उसका खून बह रहा था। महिला का तीन साल का बेटा बगल में बैठा था। उन्होंने कहा कि महिला मूल रूप से बिहार की रहने वाली है और उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया और चिकित्सा परीक्षण कराया गया।

पुलिस के मुताबिक, महिला अपने तीन साल के बेटे के साथ बिहार से पंजाब अपने पति से मिलने जा रही थी। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि 26 मई को महिला ट्रेन से नई दिल्ली रेलवे स्टेशन उतरी और सदर बाजार गई। जब वह सदर बाजार से रेलवे स्टेशन लौट रही थी तो ई-रिक्शा चालक ने कथित तौर पर उसे पेय पदार्थ की पेशकश की जिसे पीकर वह बेहोश हो गई। मीणा ने बताया, महिला के बयान के मुताबिक रिक्शा चालक उसे सुनसान स्थान पर ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। महिला ने जब आपत्ति जताई और शोर मचाना शुरू किया तो रिक्शा चालक ने उसके सिर पर ईंट से हमला कर दिया। उन्होंने बताया, हमले से महिला बेहोश हो गई और जब उसे होश आया तो पाया कि उसका मोबाइल फोन और तीन हजार रुपए गायब हैं। मीणा ने कहा, हमने टीम गठित कर मामले की जांच शुरू की। टीम ने करीब 500 सीसीटीवी कैमरे के तस्वीरों की जांच की और ई-रिक्शा का पता लगाया।

दिल्ली के हिस्से का पानी नहीं छोड़े जाने को लेकर न्यायालय का रुख करेगी 'आप' सरकार : आतिशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली सरकार हरियाणा से राष्ट्रीय राजधानी के हिस्से का पानी नहीं छोड़े जाने को लेकर बृहस्पतिवार को उच्चतम न्यायालय का रुख करेगी। जल मंत्री आतिशी ने यह जानकारी दी।

आतिशी ने यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली में आपात स्थिति दस्तक देने वाली है। उन्होंने संकट से निपटने के लिए कुछ आपातकालीन कदम उठाने की भी घोषणा की। उन्होंने कहा, हरियाणा से दिल्ली के हिस्से का पानी नहीं छोड़े जाने के खिलाफ हम खुद उच्चतम न्यायालय का रुख करेंगे।

मंत्री ने कहा कि दिल्ली जल बोर्ड में केंद्रीय जल टैंकर नियंत्रण कक्ष स्थापित किए जा रहे हैं और भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) का एक अधिकारी इसकी निगरानी करेगा। उन्होंने कहा, एक केंद्रीय कमांड एवं नियंत्रण कक्ष होगा और लोगों को पानी के टैंकर की आवश्यकता होने पर 1916 पर फोन कॉल करनी होगी। यह केंद्रीय कमांड एवं नियंत्रण कक्ष जल टैंकर नियंत्रण कक्ष को कॉल के बारे में सूचित करेगा। पांच जून से, एडीएम और एसडीएम स्तर पर अधिकारियों को दिल्ली के 11 जल क्षेत्रों में तैनात किया जाएगा, वे पानी की कमी वाले क्षेत्रों की स्थिति का आकलन करेंगे और उन स्थानों पर पानी के टैंकर लगाएंगे। उन्होंने कहा कि इसके अलावा दिल्ली जल बोर्ड के बिजली विभाग में टीम बनाई जाएंगी, जो बोरवेल से संबंधित शिकायतों के समाधान के लिए हर समय काम करेंगी।

आतिशी ने कहा, पानी की बर्बादी पर लगाम लगाने और चालान जारी करने के लिए आईएएस अधिकारी के अंतर्गत 200 कार्यान्वयन टीम काम करेंगी। शुक्रवार से, निर्माण स्थलों पर पीने योग्य पानी के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया जाएगा और दिल्ली नगर निगम निरीक्षण करेगा और प्रतिबंध का उल्लंघन करते हुए पाए जाने पर कार्रवाई करेगा। उन्होंने कहा, इसी तरह, सरकार कार धोने और कार-सर्विस सेंटरों पर पीने के पानी के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा रही है। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति की टीम इन केंद्रों का निरीक्षण करेंगी और यदि वे प्रतिबंध का उल्लंघन करते पाए गए तो उन्हें सील कर दिया जाएगा। उन्होंने लोगों से पानी का उपयोग सोच-समझकर करने का अनुरोध किया।

सरकार ने भीषण गर्मी के बीच शहर में जल संकट के संबंध में आपात बैठक की है। अभूतपूर्व गर्मी के चलते राजधानी में पानी की किल्लत हो गई है। शहर के विभिन्न हिस्सों में तापमान 50 डिग्री के आसपास दर्ज किया गया है।

मालदीव को एफटीए के लिए कोई प्रस्ताव नहीं दिया गया: भारत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसने मालदीव के समक्ष द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौते (डीटीए) के लिए कोई प्रस्ताव नहीं रखा है और यदि द्वीपीय राष्ट्र इस तरह के समझौते के लिए रुचि दिखाता है तो वह इस पर विचार करने को तैयार है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, मालदीव के साथ द्विपक्षीय एफटीए के लिए भारत सरकार द्वारा कोई विशेष प्रस्ताव नहीं रखा गया है। उन्होंने कहा, यदि मालदीव सरकार भारत के साथ एफटीए करने में रुचि दिखाती है, तो हम इस पर विचार करेंगे। जायसवाल ने साप्ताहिक प्रेस वार्ता में एक सवाल पर यह टिप्पणी की। पिछले सप्ताह मालदीव के आर्थिक विकास एवं व्यापार मंत्री मो. सईद ने संकेत दिया था कि भारत ने दोनों देशों के बीच एफटीए के लिए प्रयास शुरू कर दिए हैं। सईद ने माले में संवाददाता सम्मेलन में कहा था, वे (भारत) चाहते हैं कि मालदीव के साथ साफ्टा (दक्षिण एशियाई मुक्त व्यापार समझौता) के अलावा एक मुक्त व्यापार समझौता भी हो।

केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने पुदुकोट्टई मंदिर में लिया आशीर्वाद

चेन्नई। गुरुवार को पुदुकोट्टई के थिरुमायम में सत्य गिरीश्वरर मंदिर और कोट्टई बैरवा मंदिर का केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने परिवार के साथ दौरा किया। गौरतलब है कि गत 12 अप्रैल को, तमिलनाडु में चुनाव प्रचार के दौरान, गृह मंत्री को इस मंदिर का दौरा करना था, लेकिन दुर्भाग्य से, प्रतिकूल उड़ान स्थितियों के कारण इसे रद्द कर दिया गया। हालांकि, गृह मंत्री ने संकल्प लिया कि वे चुनाव समाप्त होने से पहले इस मंदिर का दौरा करेंगे। इस मौके पर भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष के. अन्नामलाई और भाजपा नेता उपस्थित थे। शाह के साथ धर्मपत्नी सोनल शाह ने भी मंदिर में पूजा अर्चना की और स्वामी का आशीर्वाद प्राप्त किया।

प्रधानमंत्री मोदी तमिलनाडु पहुंचे, विवेकानंद रॉक मेमोरियल में ध्यान लगायेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कन्याकुमारी। लोकसभा चुनाव के सातवें और अंतिम चरण के तहत शनिवार 1 जून को 8 राज्यों एवं संघ शासित प्रदेशों की 57 लोकसभा सीटों पर मतदान होगा। इन सीटों पर चुनाव प्रचार के आखिरी दिन, चुनाव प्रचार अभियान की समाप्ति के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी प्रसिद्ध विवेकानंद रॉक मेमोरियल में 45 घंटे का ध्यान लगाने के लिए बृहस्पतिवार को यहां पहुंचे। मोदी निकटवर्ती तिरुवनंतपुरम से यहां पहुंचे हैं और उनका भगवती अम्मन मंदिर में पूजा करने तथा बाद में विवेकानंद रॉक मेमोरियल पहुंचकर लगभग दो दिन तक ध्यान लगाने का कार्यक्रम है।

लोकसभा चुनाव के लिए देश भर में पिछले 75 दिनों के दौरान 206 चुनावी रैलियां, रोड शो एवं चुनाव से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रमों और 80 से ज्यादा मीडिया साक्षात्कार देने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज से कन्याकुमारी के उसी प्रसिद्ध विवेकानंद रॉक मेमोरियल (विवेकानंद शिला पर) पर एक जून तक ध्यान लगाएंगे, जहां पर स्वामी विवेकानंद ने तीन दिनों तक तपस्या करते हुए विकसित भारत का सपना देखा था। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यह वही स्थान है जहां देवी पार्वती ने एक पैर पर खड़े होकर भगवान शिव की प्रतीक्षा की थी। यह भारत का सबसे

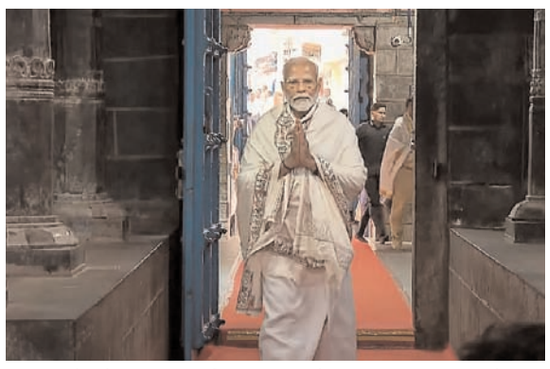

दक्षिणी छोर है, जहां पर पूर्वी घाट और पश्चिमी घाट आपस में मिलते हैं। यह क्षेत्र हिंद महासागर, बंगाल की खाड़ी और अरब सागर का मिलन स्थल भी है। मां भगवती अम्मन मंदिर में पूजा अर्चना के बाद वह विवेकानंद रॉक मेमोरियल (विवेकानंद शिला पर) जाएंगे जहां पर ध्यान मंडपम में वह एक जून तक मेडिटेशन करेंगे अर्थात ध्यान लगाएंगे। बताया जा रहा है कि प्रधानमंत्री मोदी विवेकानंद रॉक मेमोरियल में लगभग 45 घंटे तक रहेंगे और एक जून की शाम को वह दिल्ली के लिए रवाना हो सकते हैं। एक जून की शाम को रवाना होने से पहले वह तमिल कवि तिरुवल्लुवर की 133 फीट ऊंची प्रतिमा भी देखने जाएंगे। लोकसभा चुनाव की समाप्ति के बाद भी प्रधानमंत्री मोदी की यह कन्याकुमारी यात्रा एक तरफ जहां तमिलनाडु के प्रति उनकी गहरी प्रतिबद्धता एवं प्रेम को व्यक्त करता है, वहीं इससे यह भी पता लगता है कि विकसित भारत और 2047 के अपने संकल्प को लेकर वह कितने गंभीर और प्रतिबद्ध है। वह कन्याकुमारी में ध्यान लगाकर देशवासियों को राष्ट्रीय एकता का संदेश भी देना चाहते हैं। हालांकि, यह कोई पहला मौका नहीं है, जब प्रधानमंत्री मोदी चुनाव प्रचार अभियान के अंत के बाद किसी आध्यात्मिक यात्रा पर जा रहे हो। प्रधानमंत्री मोदी इससे पहले भी इस तरह की विशेष आध्यात्मिक यात्राओं पर जाते रहे हैं। इससे पहले वर्ष 2019 में प्रधानमंत्री मोदी ने देवभूमि उत्तराखंड के केदारनाथ जाकर गुफा में ध्यान किया था और वर्ष 2014 में शिवाजी के प्रतापगढ़ का दौरा किया था। मोदी के इस कार्यक्रम के मद्देनजर कड़ी सुरक्षा सहित सभी इंतजाम पूरे कर लिये गये हैं। प्रख्यात हिंदू संत (विवेकानंद) के नाम पर बना यह स्मारक समुद्र के मध्य में स्थित है। भाजपा के नेताओं ने बताया कि बृहस्पतिवार शाम लोकसभा चुनावों के लिए प्रचार अभियान के समापन के बाद मोदी स्वामी विवेकानंद को श्रद्धांजलि देने के लिए बनाए गए स्मारक 'रॉक मेमोरियल' में ध्यान लगायेंगे।

केरल उच्च न्यायालय ने विजयन की बेटी की कंपनी की जांच के लिए भाजपा नेता की याचिका निस्तारित की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि। केरल उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को भाजपा नेता शॉन जॉर्ज की उस याचिका को निस्तारित कर दिया जिसमें मुख्यमंत्री पिनराई विजयन की बेटी वीना टी. की कंपनी की कंपनी अधिनियम के तहत जांच और गंभीर कपट अन्वेषण कार्यालय (एसएफआईओ) द्वारा उसके खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई थी। अदालत द्वारा उनकी याचिका का निपटारा करने के साथ ही, हाल ही में उनके द्वारा दाखिल वह आवेदन भी बंद कर दिया गया जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि विजयन की बेटी की अब बंद हो चुकी कंपनी एक्सालॉजिक' ने अबू धाबी के एक खाते में काफी धनराशि जमा की थी और कनाडाई कंपनी एसएनसी लवलीन ने इस खाते के माध्यम से अमेरिका में धनराशि भेजी थी।

इस बीच, वरिष्ठ नेता पी.सी. जॉर्ज के बेटे एवं वकील शॉन जॉर्ज तथा माकपा नेता थॉमस इसाक के बीच भाजपा नेता द्वारा दिए गए आवेदन को लेकर सोशल मीडिया मंच फेसबुक पर वाकयुद्ध छिड़ गया। केरल के पूर्व वित्त मंत्री इसाक ने अपने फेसबुक पोस्ट में कहा कि वीना की कंपनी और संयुक्त अरब अमीरात की जिस कंपनी का जॉर्ज ने जिक्र किया था, वे दो अलग-अलग संस्थाएं हैं। माकपा नेता ने यह भी कहा कि संयुक्त अरब अमीरात की कंपनी और उसके मलयाली मालिकों का कोई राजनीतिक संबंध भी नहीं है। जॉर्ज को परेशान करने वाला वादी बताते हुए, इसाक ने उच्च न्यायालय से आग्रह किया था कि उन्हें (जॉर्ज को) उनकी याचिका वापस लेने की अनुमति न दी जाए। जॉर्ज ने इसाक की दलीलों का जवाब देते हुए कहा कि माकपा नेता विषय को भटकाने की कोशिश कर रहे हैं।

उन्होंने माकपा नेता को यह दावा करने की चुनौती दी कि वीना की फर्म का अबू धाबी कमर्शियल बैंक में कोई बैंक खाता नहीं है, जिस पर खुद वीना और सुनीश एम. नाम के व्यक्ति के हस्ताक्षर न हों। जॉर्ज ने अपने पोस्ट में यह भी पूछा कि क्या इसाक को वीना के बैंक खातों और उनमें होने वाले वित्तीय लेन-देन के बारे में पता था। भाजपा नेता ने केरल के पूर्व वित्त मंत्री को चुनौती दी कि या तो वे इन सवालों का जवाब दें या उनके खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर करें। विजयन पर आरोप है कि 1996 में केरल के ऊर्जा मंत्री रहते हुए उन्होंने कनाडा की कंपनी एसएनसी लवलीन को ठेका देने में कथित भ्रष्टाचार किया था, जिससे कथित तौर पर राज्य के खजाने को नुकसान हुआ था।

चेन्नई के अंतरिक्ष स्टार्ट-अप 'अग्निकुल' ने अग्निबाण रॉकेट का सफल उप-कक्षीय प्रक्षेपण किया

चेन्नई। चेन्नई के अंतरिक्ष 'स्टार्ट-अप' 'अग्निकुल कॉसमॉस' ने बृहस्पतिवार को श्रीहरिकोटा स्थित अपने प्रक्षेपण स्थल से अपने स्वदेश निर्मित '3डी-प्रिंटेड सेमी-क्रायोजेनिक रॉकेट अग्निबाण' का उप-कक्षीय परीक्षण सफलतापूर्वक किया। अग्निकुल कॉसमॉस ऐसा करने वाली यह भारत की दूसरी निजी इकाई बन गई है। चार असफल प्रयासों के बाद परीक्षण बिना किसी लाइव स्ट्रीमिंग के, इसरो के श्रीहरिकोटा में स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र में कुछ गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में किया गया।

इसरो ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, अग्निबाण सॉर्टेड-01 मिशन के उनके प्रक्षेपण स्थल से सफल प्रक्षेपण के लिए अग्निकुल कॉसमॉस को बधाई। यह एक बड़ी उपलब्धि है...। भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन एवं प्राधिकरण केंद्र (आईएन-स्पेस) के अध्यक्ष पवन गोयनका ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, अग्निकुल कॉसमॉस द्वारा अग्निबाण एसओआरटीईडी के सफल प्रक्षेपण से बहुत प्रसन्न हूं। यह भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक क्षण है। अग्निकुल द्वारा अग्निबाण सब-ऑर्बिटल टेक्नोलॉजी डेमोंस्ट्रेटर (एसओआरटीईडी) को प्रक्षेपित करने का 22 मार्च से यह पांचवां प्रयास था। भारतीय अंतरिक्ष संघ (आईएसपीए) के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल ए के भट्ट (सेवानिवृत्त) ने कहा, यह भारत के फलते-फूलते निजी अंतरिक्ष उद्योग के लिए एक बहुत बड़ा प्रोत्साहन और गर्व का क्षण है और यह हमारे लिए भविष्य में क्या छिपा है, इसकी एक झलक मात्र है। इसके पीछे की पूरी टीम को हमारी हार्दिक बधाई और उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं। कंपनी के अनुसार अग्निबाण एक अनुकूलन योग्य दो-चरणीय प्रक्षेपण यान है जो 300 किलोग्राम तक का पेलोड (भार) लगभग 700 किलोमीटर की कक्षा में ले जा सकता है।

सरकारी जमीन पर किसी भी तरह के अवैध धार्मिक स्थल की अनुमति नहीं दी जाएगी : केरल उच्च न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि। केरल उच्च न्यायालय ने निर्देश दिया कि सरकारी जमीन पर किसी भी अवैध धार्मिक स्थल के निर्माण को अनुमति नहीं दी जानी चाहिए फिर चाहे वह किसी भी धर्म का क्यों न हो। उच्च न्यायालय ने कहा कि ईश्वर 'सर्वशक्तिमान' है और श्रद्धालुओं के शरीर, उनके घर सहित हर जगह मौजूद है। न्यायमूर्ति पी. वी. कुन्हीकृष्णन ने कहा, ''इसलिए ईश्वर में आस्था रखने वालों को धार्मिक संरचनाओं के निर्माण के लिए सरकारी भूमि पर अतिक्रमण करने की आवश्यकता नहीं है। इसे भूमिहीन लोगों में वितरित किया जाना चाहिए और मानव जाति के लिए उपयोग में लाया जाना चाहिए। ऐसा करने से ईश्वर ज्यादा खुश होंगे और सभी को आशीर्वाद देंगे।''

केरल प्लांटेशन कॉरपोरेशन लिमिटेड ने अदालत में एक याचिका दाखिल कर राज्य सरकार, पुलिस और पथनमथिट्टा जिला अधिकारियों को संस्थान को पट्टे पर दी गई संपत्तियों की पहचान करने और वहां से सभी अतिक्रमणकारियों को हटाने का निर्देश देने की मांग की थी, जिसपर उच्च न्यायालय ने यह निर्देश और टिप्पणियां कीं। केरल प्लांटेशन कॉरपोरेशन लिमिटेड की अर्जी को स्वीकार करते हुए उच्च न्यायालय ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे संस्थान को पट्टे पर दी गई संपत्तियों की पहचान करें और सरकारी भूमि पर निर्मित सभी अवैध धार्मिक संरचनाओं सहित सभी अतिक्रमणकारियों को इस फैसले की प्रति प्राप्त होने की तिथि से छह महीने की अवधि के भीतर किसी भी तरह से हटायें।

अदालत ने 27 मई को दिये अपने आदेश में मुख्य सचिव को निर्देश दिया कि वे सभी जिलाधिकारियों को यह पता लगाने के लिए जांच करने का निर्देश दें कि क्या किसी धार्मिक समूह द्वारा किसी सरकारी भूमि पर अवैध, अनाधिकृत पत्थर या फिर क्रॉस या अन्य किसी भी तरह की संरचनाएं तो नहीं लगाई या बनाई गई हैं। जिलाधिकारी राज्य के मुख्य सचिव से आदेश प्राप्त होने की तिथि से छह महीने की अवधि के भीतर इस तरह की अवैध संरचनाओं की जांच करेंगे।

प्रधानमंत्री का मंदिर जाना चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन कैसे हो सकता है: केंद्रीय मंत्री मुरुगन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। केंद्रीय मंत्री एल. मुरुगन ने बृहस्पतिवार को आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मंदिर जाना या कन्याकुमारी में ध्यान लगाना चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन कैसे हो सकता है। उन्होंने कहा कि विपक्षी दल चुनाव में हार के डर के कारण ऐसे आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विपक्षी दल केवल प्रधानमंत्री का विरोध करने के लिए इस तरह के आधारहीन तर्क दे रहे हैं।

मुरुगन ने पूछा, ''प्रधानमंत्री का कन्याकुमारी में मंदिर जाना और विवेकानंद रॉक मेमोरियल में ध्यान लगाना आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन कैसे हो सकता है?'' केंद्रीय मंत्री ने यहां संवाददाताओं से कहा कि विपक्षी दल चुनाव में हार के डर से घबरा गए हैं और इसलिए वे इस मुद्दे को उठा रहे हैं। मुरुगन ने कहा, ''प्रधानमंत्री को ध्यान साधना करने से कौन रोक सकता है? यहां तक कि पूर्व मुख्यमंत्री जे जयललिता भी कई आध्यात्मिक गतिविधियों में शामिल रही थीं। उन्होंने मंदिरों का जीर्णोद्धार कराया था और मंदिरों में भी गई थीं।'' उन्होंने दावा किया कि अन्नाद्रमुक की पूर्व प्रमुख ने जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 को हटाने का समर्थन किया था और अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण का भी समर्थन किया था।

भाजपा नीत राजग में शामिल पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) संस्थापक डॉ. एस रामदॉस ने मोदी के इस कदम को उचित ठहराया और कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा कन्याकुमारी में ध्यान लगाने में कुछ भी गलत नहीं है।

प्रज्ञानानंदा ने कार्लसन के खिलाफ पहली बार क्लासिकल बाजी जीती, एकल बढ़त बनाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/स्टावेंगर (नॉर्वे)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने यहां दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन के खिलाफ पहली बार क्लासिकल बाजी में जीत दर्ज करते हुए नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में एकल बढ़त बना ली। कार्लसन को रेपिड और ऑनलाइन मुकाबलों में हरा चुके 18 साल के प्रज्ञानानंदा पिछले विश्व कप फाइनल में नॉर्वे के इस खिलाड़ी से हार गए थे लेकिन यहां अंतत: क्लासिकल बाजी में उन्हें 37 चाल में हराने में सफल रहे। इस प्रारूप में कार्लसन और प्रज्ञानानंदा के बीच पिछली तीन बाजियां ड्रॉ रही थी। प्रज्ञानानंदा ने इस जीत के साथ तीन दौर के बाद 5.5 अंक से पुरुष वर्ग में बढ़त बना ली है।

प्रज्ञानानंदा ने सफेद मोहरों से खेलते हुए जीत दर्ज की और इस हार के साथ कार्लसन तीन अंक के साथ अंक तालिका में तीसरे स्थान पर खिसक गए। भारतीय ग्रैंडमास्टर ने अमेरिका के दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी फाबियानो करुआना पर आधे अंक की बढ़त बना रखी है। करुआना ने गत विश्व चैंपियन चीन के डिंग लिरेन को हराया। उनकी क्लासिकल प्रारूप में लिरेन पर यह पहली जीत है। इस हार के साथ लिरेन छह खिलाड़ियों की तालिका में दो अन्य खिलाड़ियों के साथ संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर हैं। उनके 2.5 अंक हैं। अमेरिका के हिकारु नाकामूरा और फ्रांस के फिरोजा अलीरेजा भी संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर पर हैं। नाकामूरा ने फ्रांस के अलीरेजा

फिरोजा के खिलाफ क्लासिकल बाजी ड्रॉ रहने के बाद आर्मागेडोन (सडन डेथ) बाजी जीतकर डेढ़ अंक हासिल किए। नाकामूरा चौथे दौर में प्रज्ञानानंदा से भिड़ेंगे। नाकामूरा ने प्रज्ञानानंदा के खिलाफ जोखिम भरा खेल खेलने के कार्लसन के फैसले पर कहा, उम्मीद करता हूं कि मैग्नस हमारे खिलाफ भी इसी तरह का जोखिम उठाएंगे। क्लासिकल शतरंज को धीमे शतरंज के रूप में भी जाना जाता है और इसमें खिलाड़ी को चाल चलने के लिए पर्याप्त समय मिलता है और आम तौर पर एक खिलाड़ी के पास कम से कम एक घंटे का समय होता है। प्रज्ञानानंदा की बहन आर वैशाली भी महिला वर्ग में शीर्ष पर चल रही हैं। उनके भी 5.5 अंक हैं। वैशाली ने तीसरे दौर में यूक्रेन की अन्ना मुजीचुक के खिलाफ क्लासिकल बाजी ड्रॉ रहने के बाद आर्मागेडोन बाजी जीतकर डेढ़ अंक हासिल किए। मुजीचुक को एक अंक मिला। चीन की महिला विश्व चैंपियन वेनजुन जू 4.5 अंक के साथ दूसरे जबकि उनकी हमवतन टिंगजी लेई चार अंक के साथ तीसरे स्थान पर हैं। मुजिचुक, स्वीडन की पिया क्रेमलिंग और भारत की कोनेरू हंपी तीन अंक के साथ संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर हैं।

केरल में आकाशीय बिजली गिरने से आठ लोग जख्मी

तिरुवनंतपुरम/कोझीकोड। केरल के अलग-अलग हिस्सों में गरज के साथ बारिश होने और भारी वर्षा के कारण कोझीकोड तटीय क्षेत्र में आकाशीय बिजली गिरने से आठ लोग जख्मी हो गए। एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। केरल राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (केएसडीएमए) के एक अधिकारी ने बताया कि घायलों में से एक व्यक्ति कोझीकोड के सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल के गहन चिकित्सा इकाई में भर्ती है। केएसडीएमए के मुताबिक, सात अन्य की हालात स्थिर है।

इस बीच, भारत मौसम विज्ञान विभाग ने राज्य के तीन जिलों - अलप्पुझा, कोट्टायम और एर्णाकुलम - के लिए ऑरेंज अलर्ट एवं शेष 11 जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। केरल के विभिन्न भागों में भारी बारिश से सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ है, सड़कें जलमग्न हो गई हैं, घरों में पानी घुस गया है और पेड़ गिर गए हैं। कोच्चि और कोट्टायम सहित राज्य के कई हिस्सों में लोगों को राहत शिविरों में जाना पड़ा क्योंकि बारिश के कारण घरों में पानी घुस गया। इससे पहले दिन में आईएमडी ने केरल में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगमन की घोषणा की।

सोने की तस्करी के आरोप में एयरलाइन की चालक दल सदस्य गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कन्नूर (केरल)। एक एयरलाइन की चालक दल की एक महिला सदस्य को अपने मलाशय में लगभग एक किलोग्राम सोना छिपाकर मस्कट से कन्नूर तक तस्करी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) के एक सूत्र ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। सूत्र ने दावा किया कि भारत में यह पहला मामला है, जहां किसी एयरलाइन के चालक दल की सदस्य को मलाशय में छिपाकर सोने की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई-कन्नूर) के अधिकारियों ने विशिष्ट सूचना के आधार पर एयरलाइन की चालक दल की सदस्य सुरभि खातून को रोका, जो 28 मई को मस्कट से कन्नूर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आई थी। वह कोलकाता की रहने वाली हैं।

सूत्र ने बताया कि महिला की तलाशी के बाद उसके मलाशय में छुपाकर रखा गया 960 ग्राम तस्करी का सोना बरामद हुआ। सूत्र ने कहा कि पूछताछ और आवश्यक औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद, उसे मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया, जिसने उसे कन्नूर में महिला कारागार में 14 दिनों के लिए भेज दिया।

सूत्र ने बताया कि एक विस्तृत जांच शुरू हो गई है और अब तक एकत्र किए गए सबूतों से पता चलता है कि उसने पहले भी कई बार सोने की तस्करी की थी। सूत्र ने कहा कि तस्करी गिरोह में केरल के लोगों की संलिप्तता की भी जांच की जा रही है। इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया के लिये एयरलाइन के एक प्रतिनिधि से संपर्क किया गया, लेकिन उन्होंने अभी तक कोई जवाब नहीं दिया है।

भोजनालय में हुए विस्फोट में तीन लोग घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुनेलवेली (तमिलनाडु)/भाषा। तमिलनाडु के तिरुनेलवेली में भोजनालय में सिलेंडर विस्फोट होने से एक लड़के समेत तीन लोग घायल हो गए।

विस्फोट शहर के नॉर्थ कार स्ट्रीट में हुआ और घायलों में भोजनालय में काम करने वाला एक व्यक्ति भी शामिल है। घायलों को पास के अस्पताल ले जाया गया। उन्होंने बताया कि चूंकि घटना उस समय हुई जब आसपास ज्यादा लोग नहीं थे, इसलिए बड़ी दुर्घटना टल गई।

सिलेंडर विस्फोट का एक वीडियो वायरल हो गया है। घटना में आसपास की कुछ दुकानों और भोजनालयों को नुकसान हुआ है।

दो नवजात शिशुओं की मौत के मामले में 14 चिकित्साकर्मियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के कोटा के एक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में दो नवजात शिशुओं की मौत के मामले में चिकित्सा विभाग ने 14 चिकित्साकर्मियों के खिलाफ नोटिस जारी किया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने बताया कि सुकेत सीएचसी में चिकित्साकर्मियों की लापरवाही से दो नवजात शिशुओं की मृत्यु जैसा प्रकरण सामने आया है, ऐसे में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग (कोटा जोन) के संयुक्त निदेशक से तत्काल जांच करवाकर सख्त कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि इस स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा कर्मियों की लापरवाही सामने आयी।

उन्होंने कहा कि विभाग ने 14 चिकित्साकर्मियों के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उनके अनुसार एक महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है तथा ब्लॉक मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को हटाकर पदस्थापन आदेश की प्रतीक्षा (एपीओ) में रखा गया है।

सिंह ने एक बयान में स्पष्ट किया कि प्रकरण में तीन सदस्यीय समिति से मौत के कारणों की जांच करायी गयी थी। समिति ने दोनों नवजात शिशुओं की मौत की वजह तापघात नहीं पायी। उसने पाया कि सीएचसी में चिकित्साकर्मियों द्वारा काफी समय से लापरवाही की जा रही थी। इसके चलते चिकित्सा विभाग की ओर से एक साथ कई कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। सिंह ने कहा कि आमजन की स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता में किसी भी स्तर पर कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जनस्वास्थ्य निदेशक डॉ. रवि प्रकाश माथुर ने बताया कि अपनी मर्जी से अनुपस्थित रही महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता चंद्रावती शर्मा को तत्काल निलंबित कर दिया गया है और बीसीएमओ डॉ. रईस खान को पर्यवेक्षणीय लापरवाही एवं राज्य सरकार के आदेशों की अवहेलना पर 'एपीओ' किया गया है। सीएचसी के चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ. अर्पित गुप्ता को बिना अवकाश स्वीकृत कराए ड्यूटी से अनुपस्थित रहने पर कारण बताओ नोटिस दिया गया है । इसी तरह प्रसविका पुष्पलता सक्सेना तथा नर्सिंग ऑफिसर बजरंग लाल मीणा, हेमन्त चौधरी, राहुल शर्मा, आशिक, फराज बेग, विजय कुमार पंचोली, नितेश वर्मा एवं तुषार यादव को भी कारण बताओ नोटिस दिया गया है। इसी तरह डॉ. नेहा सुवालका एवं डॉ. परमजीत सिंह को भी कारण बताओ नोटिस दिया गया है। यह कार्रवाई सीसीए नियम -17 के तहत की जा रही है।

अदालत का भीषण गर्मी के कारण जान गंवाने वालों के आश्रितों को मुआवजा देने का निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को राज्य सरकार को तापघात (हीट स्ट्रोक) के कारण जान गंवाने वाले लोगों के आश्रितों को मुआवजा देने का निर्देश दिया। उच्च न्यायालय ने पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन के संबंध में स्वतः संज्ञान लेते हुए राजस्थान के मुख्य सचिव को निर्देश दिया कि राजस्थान जलवायु परिवर्तन परियोजना के तहत तैयार 'ग्रीष्मकालीन कार्ययोजना' के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए तत्काल और उचित कदम उठाने के लिए विभिन्न विभागों की समितियों का गठन किया जाए।

अदालत ने राज्य सरकार को तापघात (हीट स्ट्रोक) के कारण जान गंवाने वाले लोगों के आश्रितों को समुचित व उपयुक्त मुआवजा देने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति अनूप कुमार की पीठ ने राज्य सरकार के अधिकारियों को भारी आवागमन वाली सड़कों पर पानी छिड़कने, ठंडक वाले आश्रय स्थल के लिए जगह उपलब्ध कराने, लाल बत्तियों पर छाया की व्यवस्था करने, लू के रोगियों के उपचार के लिए सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर सभी संभव सुविधाएं उपलब्ध कराने का भी निर्देश दिया। अदालत ने मौजूदा आपात स्थिति को देखते हुए अंतरिम उपाय के रूप में सरकार को ये निर्देश दिए हैं। सरकार को निर्देश दिया गया है कि वह अत्यधिक गर्मी के दौरान कुलियों, ठेला और रिक्शा चालकों सहित खुले में काम करने वाले सभी श्रमिकों के लिए दोपहर 12 बजे से अपराह्न 3 बजे तक आराम करने का परामर्श जारी करे।

सरकार को निर्देश दिया गया है कि वह लोगों को भीषण गर्मी की स्थिति के बारे में सचेत करने के लिए एसएमएस, एफएम रेडियो, टेलीविजन, मोबाइल ऐप, प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एवं समाचार पत्र आदि के माध्यम से अलर्ट जारी करे। अदालत ने कहा कि इस मामले में अगली सुनवाई की तारीख पर कुछ और उचित निर्देश जारी किए जाएंगे।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने इस मुद्दे को लेकर राज्य की भारतीय जनता पार्टी सरकार पर निशाना साधा और कहा कि 'सरकार अलर्ट नहीं ऑटो मोड पर है, तभी तो अदालत को स्वत: संज्ञान लेकर आदेश देने पड़ रहे हैं।' डोटासरा ने अदालत के आदेश की प्रति साझा करते हुए 'एक्स' पर लिखा ,भीषण गर्मी और लू के प्रकोप से करीब 100 से अधिक लोगों की मृत्यु हो चुकी है। भाजपा सरकार लू से बचाव एवं बिजली-पानी की पर्याप्त आपूर्ति प्रबंधन में पूरी तरह विफल रही है।

उन्होंने लिखा,सरकार की लापरवाही के बाद अब अदालत ने स्वत: संज्ञान लेकर सरकार को विशेष परामर्श जारी करने एवं मृतकों के परिवार को मुआवजा देने का निर्देश दिया है। कांग्रेस नेता ने लिखा,लू से बचाव एवं राहत के लिए कांग्रेस पार्टी लगातार सरकार से उचित इंतजाम करने और मृतकों के परिवार को मुआवजा देने की मांग कर रही है। लेकिन भाजपा सरकार लू से हुई मौतों के मामले में पल्ला झाड़ने का प्रयास कर रही है।

राजस्थान में भीषण गर्मी जारी, सप्ताहांत राहत मिलने की उम्मीद

जयपुर। राजस्थान के कुछ हिस्सों में अधिकतम तापमान में तीन डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट के बावजूद भीषण गर्मी का दौर जारी है। मौसम विभाग ने एक जून से लोगों को लू से राहत मिलने के संकेत दिये हैं। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य के कुछ हिस्सों में अधिकतम तापमान में एक से तीन डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गयी। आगामी 48 घंटों में इसमें 2-3 डिग्री सेल्सियस गिरावट दर्ज होने की संभावना है। मौसम केंद्र के मुताबिक, अधिकांश हिस्सों में एक जून से लू से राहत मिलने की प्रबल संभावना है। राज्य के बीकानेर, जयपुर एवं भरतपुर संभाग के कुछ भागों में बृहस्पतिवार को भी भीषण लू चलने की संभावना है। इसके अनुसार, एक नये पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से जयपुर, भरतपुर एवं बीकानेर संभाग के कुछ हिस्सों में 31 मई से दो जून के बीच गरज के साथ हल्की/मध्यम बारिश होने 40-50 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार वाली तेज आंधी चलने की संभावना है। इसी तरह आगामी तीन-चार दिन राज्य के कुछ भागों में 20-30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज सतही धूल भरी हवाएं चलने की संभावना है। उल्लेखनीय है कि पूरा राजस्थान पिछले लगभग एक हफ्ते से भीषण गर्मी की चपेट में है, जहां बुधवार को पिलानी में अधिकतम तापमान 48.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

सीवर टैंक की सफाई करने उतरे तीन लोगों की जहरीली गैस से मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के भरतपुर जिले में सीवर टैंक की सफाई करने उतरे दो युवकों समेत तीन लोगों की जहरीली गैस के कारण मौत हो गई। पुलिस के अनुसार इन्हें बचाने के लिए टैंक में उतरे एक अन्य युवक की हालत गंभीर है। घटना बृहस्पतिवार को लखनपुर थाना क्षेत्र में हुई। युवक आकाश (25) और करण (22) एक घर में बने सेप्टी टैंक की सफाई करने उतरे। सफाई के दौरान अचानक उनका दम घुटने लगा और वे मदद के लिए चिल्लाने लगे।

पुलिस के अनुसार, उन्हें बचाने के लिए भोलू, नरेश और इंद्र नीचे उतरे लेकिन जहरीली गैस के कारण वे भी बेहोश हो गए। टैंक के बगल में गड्ढा खोदा गया और टैंक का एक हिस्सा तोड़कर उन्हें बाहर निकाला गया। पीड़ितों को अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान आकाश, करण और भोलू की मौत हो गई, जबकि नरेश और इंद्र का इलाज चल रहा है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हादसे पर शोक जताते हुए 'एक्स' पर लिखा,संबंधित अधिकारियों को इस प्रकरण की निष्पक्ष जांच व पीड़ित परिवार को हरसंभव राहत प्रदान करने का निर्देश दिया गया है। मेरी संवेदनाएं मृतकों के परिजनों के साथ हैं। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने मुख्यमंत्री शर्मा के गृह जिले में हुए इस हादसे पर सवाल उठाते हुए पीड़ितों के परिवारों को उचित मुआवजा देने की मांग की है।

डोटासरा ने हादसे पर शोक जताते हुए 'एक्स' पर लिखा,बिना सुरक्षा के सीवर में किसी व्यक्ति को उतारना अपराध है। फिर मुख्यमंत्री जी के गृह जिले में ऐसी घोर लापरवाही की क्या वजह है? उन्होंने लिखा,सरकार से अपेक्षा है कि मामले की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई करे एवं मृतकों के परिजनों को उचित मुआवजा दे।

मुख्यमंत्री ने मौत पर जताया दुख

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने भरतपुर में सीवर टैंक की सफाई के दौरान जहरीली गैस रिसाव से तीन लोगों की मौत हो जाने पर गहरा दुख प्रकट किया है। शर्मा ने कहा कि भरतपुर में सीवर टैंक की सफाई के दौरान जहरीली गैस के रिसाव से तीन नागरिकों की मृत्यु की हृदय विदारक घटना से मन अत्यंत व्यथित और दुःखी है। उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारियों को इस प्रकरण की निष्पक्ष जांच एवं पीड़ित परिवार को हरसंभव राहत प्रदान करने के लिए निर्देशित किया गया है। उन्होंने कहा कि उनकी संवेदनाएं मृतकों के परिजनों के साथ हैं। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं को शांति एवं शोक संतप्त परिजनों को यह दुःख सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

जिला पशु क्रूरता निवारण समिति की कोर कमेटी का होगा गठन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कलक्ट्रेट सभागार में गुरुवार को पशु क्रूरता निवारण समिति की बैठक का आयोजन किया गया। जिला कलक्टर की अध्यक्षता में आयोजित हुई बैठक में पशु क्रूरता संबंधी कई बिन्दुओं पर चर्चा हुई। अतिरिक्त जिला कलक्टर (उत्तर) श्रीमती अलका विश्नोई ने बताया कि बैठक में जिला पशु क्रूरता निवारण समिति की कोर कमेटी बनाने पर भी सहमति बनीं जो कि समिति से संबंधित दैनिक समस्याओं का निराकरण कर सकेगी। उक्त कमेटी में भारतीय पशु कल्याण बोर्ड के सदस्य सचिव नामित सदस्य एवं दो निर्वाचित सदस्य होगें। यह कमेटी प्रत्येक माह में एक बैठक का आयोजन कर गत माह में किये गये कार्यों की समीक्षा करेगी।

जिला पशु क्रूरता निवारण समिति के सदस्य सचिव एवं पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. हनुमान सहाय मीणा ने बताया कि बैठक में नगर निगम के अधिकारियों को पेट शॉप के रजिस्ट्रेशन करवाने एवं पेट्स के खिलाफ क्रूरता रोकने के लिए प्रभावी कार्रवाई अमल में लाने के निर्देश दिये गए। इसके लिए पुलिस विभाग द्वारा जयपुर ग्रामीण के लिए पुलिस उप अधीक्षक श्रीमती प्रियंका वैष्णव एवं जयपुर शहर हेतु पुलिस उप अधीक्षक श्री हरीराम कुमावत को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

साथ ही उन्होंने बताया कि बैठक में निगम अधिकारियों ने मृत पशुओं के निस्तारण हेतु इंसीनरेटर उपलब्ध नहीं होने की जानकारी दी साथ ही आवारा श्वानों हेतु पशु प्रजनन नियंत्रण प्रोग्राम की गति बढ़ाने हेतु जयपुर शहर के चारों दिशाओं में चार सेटेलाईट केन्द्र बनवाये जाने का सुझाव भी समिति के समक्ष प्रस्तुत किया। बैठक में पशु क्रूरता निवारण समिति के सदस्यों, पशुपालन विभाग, पुलिस विभाग, नगर निगम के अधिकारियों सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों ने शिरकत की।

पूजा

राज्यपाल कलराज मिश्र गुरुवार को वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर पहुंचे। उन्होंने वहां भोलेनाथ की पूजा अर्चना की। उन्होंने भगवान शिव की आराधना करते हुए मंदिर में रुद्राभिषेक भी किया।

झुंझुनूं में खराब की बजाय सही किडनी निकालने का मामला : एसएमएस जयपुर में होगा पीड़ित महिला का इलाज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । झुंझुनूं में किडनी का गलत ऑपरेशन होने से पीड़ित महिला रोगी ईद बानो का उच्च स्तरीय उपचार अब जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल में किया जाएगा। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह के निर्देश पर महिला रोगी को बेहतर उपचार उपलब्ध करवाने के लिए जयपुर लाया गया है।

शुभ्रा सिंह के निर्देश पर महिला के उपचार की स्थिति को लेकर मेडिकल बोर्ड गठित किया गया था। मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट के अनुसार रोगी को नेफ्रोलॉजिस्ट, यूरोलॉजिस्ट एवं क्रिटिकल केयर स्पेशलिस्ट की निगरानी में उच्च स्तरीय उपचार की आवश्यकता है। इसे देखते हुए झुंझुनूं से रोगी को लाइफ सपोर्ट एम्बूलेंस से सवाई मानसिंह अस्पताल लाया गया है। बेहतर उपचार एवं समन्वय की दृष्टि से झुंझुनूं से चिकित्सा अधिकारी डॉ. योगेश जाखड़, नर्सिंग अधिकारी शहनवाज कुरैशी, मण्डावा तहसीलदार एवं गिरदावर को रोगी के साथ भेजा गया है। इससे पहले उपचार में कतराने एवं रोगी को असंवेदनशील तरीके से डिस्चार्ज कर देने पर राज्य सरकार ने बीकानेर के पीबीएम अस्पताल के दो चिकित्सकों मेडिसिन यूनिट के हैड डॉ. बाल किशन गुप्ता, नेफ्रोलॉजी विभाग के आचार्य डॉ. जितेन्द्र फलोदिया एवं नर्सिंग प्रभारी रमजान तंवर के खिलाफ एक्शन लिया है। चिकित्सा शिक्षा विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह के निर्देश पर तीनों को सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज बीकानेर के प्रधानाचार्य ने कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

धौलपुर का राजीविका मॉडल पश्चिम अफ्रीका पहुंचा, राजस्थान का बाजरा अब इन देशो में भी खाद्यान्न बनेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के धौलपुर जिले का राजीविका मॉडल पश्चिम अफ्रीकी देशों सेनेगल एवं माली में 12500 महिलाओ की आजीविका का साधन बना है। धौलपुर की राजीविका महिलाओ ने सेनेगल एवं माली देशो में जाकर स्वयं सहायता समूह बनाने, ग्राम संगठन एवं फेडरेशन बनाने का प्रशिक्षण दिया। उसके बाद फेडरेशन को संचालित करने की पद्धति एवं विभिन्न प्रकार के उत्पादों के निर्माण का प्रशिक्षण दिया और आज इन देशों की महिलाएँ वर्षभर में करीब 17 करोड़ की बचत करती है और उसी बचत से इंटर लोनिंग कर अन्य महिलाओ को भी रोजगार से जोड़ रही है तथा प्रशिक्षण के द्वारा नए-नए कार्य कर रही है।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ,ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज अभय कुमार ने इंदिरा गांधी नहर मंडल में गुरुवार को पश्चिम अफ्रीकी देश माली और सेनेगल से राजस्थान में प्रशिक्षण के लिए आए प्रतिनिधियों के साथ आगे के सहयोग के बारे में विस्तार से चर्चा की। प्रतिनिधियों ने राजीविका के माध्यम से मिल रहे सहयोग के लिए राज्य सरकार को धन्यवाद दिया।

दोनों देशों के 9 फेडरेशन के महिला प्रमुखों के साथ अन्य प्रतिनिधि भी जयपुर पहुंचे। ये प्रतिनिधि धौलपुर, भरतपुर, अजमेर, जयपुर एवं उदयपुर में राजीविका समूहों से प्रशिक्षण प्राप्त कर रही है। राजस्थान विजिट के दौरान मुर्गीपालन, बकरीपालन, नेचुरल फार्मिंग, बायो गैस सहित अन्य गतिविधियों का प्रशिक्षण प्राप्त करेंगी। राजस्थान में बाजरा उत्पादन के लिए जैसा क्लाइमेट है वैसा ही इन अफ्रीकन देशों में भी है। फेडरेशन की महिला प्रमुख प्रशिक्षण के दौरान बाजरा उत्पादन के बारे में भी जानकारी प्राप्त करेगी।

कुमार ने राजीविका के पंचसूत्रों - साप्ताहिक बैठक, साप्ताहिक बचत, आंतरिक उधार, ऋण का भुगतान और रिकॉर्ड मेंटेनेंस के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राजीविका का प्रदेश की सामाजिक और आर्थिक प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने महिलाओं की आजीविका में वृद्धि के लिए पंचरत्न मिशन के माध्यम से राजीविका द्वारा बनाए गए उत्पादों को बाज़ार तक पहुंचाने पर जोर दिया। उन्होंने प्रदेश की महिलाओं को कृषि तकनीक में उन्नत और कृषि में अग्रसर बताया।

उन्होंने अफ्रीका और प्रदेश की वनस्पति में समानता को बताते हुए प्रतिनिधियों से कृषि और जल संरक्षण पर भी चर्चा की। उन्होंने राज्य में प्रचलित मोटे अनाज को अफ्रीकी देशों के वातावरण के अनुकूल बताते हुए मोटे अनाज को अफ्रीका में उगाने का सुझाव दिया।

बैठक के दौरान, राजीविका द्वारा प्रशिक्षित अफ्रीकी प्रतिनिधियों को राजीविका के द्वारा किये जा रहे नवाचारों एवं कार्यप्रणाली की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इसके साथ ही, राज्य में स्वायत्त ग्रामीण समूहों से जुड़ी महिलाओं द्वारा नीम के बीज की खाद, औद्योगिक उत्पादन और मिलेट उत्पादों के बारे में जानकारी प्रतिनिधियों के साथ साझा की गई।

सरिस्का में एक ही दिन में दिखे पांच नये शावक, बाघों का कुनबा बढ़कर हुआ 40

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलवर। राजस्थान में अलवर जिले के सरिस्का में गुरुवार को बाघिन एसटी 12 का एक शावक कैमरा टैप में दिखाई दे गया। बुधवार को ही बाघिन एसटी 22 के चार शावक कैमरा टैप में नजर आये, जहां एक और बाघिन एसटी 22 ने 4 शावकों को जन्म दिया है, वहीं एसटी 12 आज चार शावकों के संग दिखाई दी। एसटी 12 गत मार्च में तीन शावकों के संग दिखाई दी थी, तब यह माना जा रहा था कि तीन शावक हुये हैं, लेकिन कैमरा ट्रिप पद्धति सब देखने के बाद यह तय हो गया कि एसटी 12 ने चार शावकों को जन्म दिया हैं। बुधवार को एसटी 27 ने दो शावकों को जन्म दिया था, जो कैमरा में दिखाई दी थी।

सरिस्का में अब बाघों का कुनबा बढकर 40 पहुंच गया है। इनमें 11 मेल टाइगर, 14 फीमेल टाइगर तथा 15 शावक शामिल हैं। सरिस्का में 2018 के बाद पहली बार दो बाघिन ने एक साथ चार शावक को जन्म दिया है। साथ ही

दो दिनों के दौरान सात नये शावक दिखाई दिये हैं।

सरिस्का के वनाधिकारी महेन्द्र शर्मा ने बताया कि बाघिन एसटी 12 का एक शावक कैमरा टैप में दिखायी दिया, जबकि बाघिन एसटी 22 चार शावकों के साथ कैमरा टैप में नजर आयी है। बाघिन एसटी 12 एवं बाघिन एसटी 22 दोनों ही सरिस्का की बाघिन एसटी 10 की संतान हैं और दोनों ही बाघिनें ताल वृक्ष रेंज में घूम रही हैं। सरिस्का में बाघों के 40 कुनबे में ज्यादा बाघ बाघिन एसटी 10 की संतान हैं। दो दिन के अंदर सरिस्का में साथ नये शावक नजर आये हैं। पहली बार सरिस्का के इतिहास में ऐसा देखने को मिला है।

इधर, इनकी संख्या बढ़ने पर राजस्थान के वन मंत्री और अलवर शहर विधायक संजय शर्मा ने आज अपने निवास पर पताशा बताकर खुशी जाहिर की। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत करते हुये कहा कि सरिस्का के लिये अच्छी खबर है। पहली बार मार्च में तीन शावक दिखाई दिये थे, लेकिन आज इस बाघिन के साथ चार शावक दिखाई दिये।

एसटी 22 में आज चार शावक दिखाई दिये हैं और बुधवार को एसटी 27 दो शावक दे चुकी है, जहां छह माह में सरिस्का में 10 शावक मिल गये हैं, अब इनकी संख्या 40 हो गयी है।

उन्होंने बताया कि सरिस्का में बाघों की कुनबे में लगातार बढ़ोतरी हो रही है, इसके लिये अधिकारी और वनरक्षक बधाई के पात्र हैं, जो पूरी तरीके से काम कर रहे हैं, और मेहनत कर रहे हैं। उनकी मॉनिटरिंग कर रहे हैं।

रोगी को असंवेदनशील तरीके से छुट्टी देने के मामले में दो चिकित्सकों एवं नर्सिंग अधिकारी को नोटिस

जयपुर। राजस्थान के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने महिला रोगी की गलत किडनी निकालने के प्रकरण में बीकानेर में उपचार के दौरान उसे असंवेदनशील तरीके से छुट्टी देने पर पीबीएम अस्पताल के दो चिकित्सकों एवं नर्सिंग अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। चिकित्सा शिक्षा विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह के निर्देश पर पीबीएम अस्पताल के दो चिकित्सकों --'मेडिसिन यूनिट' के प्रमुख डॉ. बालकिशन गुप्ता, 'नेफ्रोलॉजी'(वृक्क विज्ञान) विभाग के आचार्य डॉ. जितेन्द्र फलोदिया एवं नर्सिंग प्रभारी रमजान तंवर को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। रोगी को झुंझुनू के बाद बीकानेर के पीबीएम अस्पताल में ले जाया गया था। आधिकारिक बयान के अनुसार सिंह के निर्देश पर महिला रोगी ईद बानो को बेहतर उपचार उपलब्ध करवाने के लिए जयपुर लाया गया है। उसका उपचार अब जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल में किया जाएगा। रोगी के उपचार की स्थिति को लेकर मेडिकल बोर्ड गठित किया गया था। बोर्ड की रिपोर्ट के अनुसार रोगी को 'नेफ्रोलॉजिस्ट', 'यूरोलॉजिस्ट' एवं 'क्रिटिकल केयर स्पेशलिस्ट' की निगरानी में उच्च स्तरीय उपचार की आवश्यकता है।

राहुल गांधी ने अपने परदादा, दादी और पिता की सरकारों को बताया पिछड़ा और गरीब विरोधी : राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कुशीनगर/रॉबर्ट्सगंज (उप्र)/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पर अपनी ही दादी पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और पिता राजीव गांधी की सरकारों को 'पिछड़ा-विरोधी' करार देने का आरोप लगाते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि कोई भी समझदार व्यक्ति ऐसी कांग्रेस को ठोकर मार देगा।

रक्षा मंत्री ने कुशीनगर में आयोजित एक चुनावी रैली में इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया) के घटक दलों- कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) पर निशाना साधा। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के उस बयान का हवाला दिया जिसमें उन्होंने कहा था, हमारे परिवार में कई प्रधानमंत्री रहे- परदादा (जवाहर लाल नेहरू), दादी (इंदिरा गांधी) और पिताजी (राजीव गांधी), इसलिए मैंने 'सिस्टम' को बहुत नजदीक से देखा है। रक्षा मंत्री ने कहा कि ऐसा कहकर उन्होंने बहुत कुछ स्वीकार कर लिया है।

सिंह ने कहा, राहुल गांधी (खुद) कहते हैं कि तब का 'सिस्टम' पिछड़ा-विरोधी और गरीब-विरोधी था। यानी (राहुल) अपने परदादा, दादी और पिताजी की सरकार को कह रहे हैं कि उस समय का 'सिस्टम' पिछड़ा और गरीब विरोधी था। ये बातें खुद राहुल गांधी कर रहे हैं, यानी वह स्वीकार कर रहे हैं कि उनकी सरकार दलित, गरीब और पिछड़े वर्ग की विरोधी थी। बताइए क्या ऐसा नेता आपने कहीं देखा है? अजीबोगरीब नेता हैं।

सिंह ने बगल में बैठे पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस छोड़कर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हुए आरपीएन सिंह से मुखातिब होते हुए कहा, कोई समझदार व्यक्ति होगा तो ऐसी कांग्रेस को ठोकर मार देगा। रक्षा मंत्री ने दावा किया, हम हिंदू-मुसलमान की राजनीति नहीं करते। हम सबको भारत का नागरिक मानते हैं। चाहे हिंदू हो, मुसलमान हो, ईसाई हो... हम कभी भेदभाव नहीं करते और न ही हमारे प्रधानमंत्री कभी ऐसा करते हैं। हमारी पार्टी के विचारधारा भी ऐसी नहीं है। विपक्ष हमारे बारे में गलतफहमी पैदा करता है। उन्होंने कहा, हम धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं होने देंगे। मुस्लिम समाज में भी जो लोग गरीब हैं उनके लिए तो आरक्षण की व्यवस्था पहले से ही चली आ रही है। आप (विपक्ष) कहते हैं कि धर्म के आधार पर आरक्षण देंगे। यह पूरी तरह से असंवैधानिक है। सपा और कांग्रेस के लोग सिर्फ सरकार बनाने की चिंता करते हैं... देश बनाने की नहीं। सिंह ने 'एक देश, एक चुनाव' की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि भाजपा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मानना है कि बार-बार चुनाव होना उचित नहीं है और पूरे देश में लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ होने चाहिए। उन्होंने आश्वासन दिया कि इस बार सत्ता में आने के बाद राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार की पूरी कोशिश होगी कि देश में 'एक देश, एक चुनाव' की व्यवस्था लागू हो।

रक्षा मंत्री ने कहा कि 2027 तक भारत, अमेरिका और चीन के बाद दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। उन्होंने कहा कि इतना ही नहीं अगर भाजपा की सरकार ऐसे ही चलती रही तो देश 2047 तक विकसित बनने के बाद 2070 तक दुनिया का सबसे धनवान मुल्क बन जाएगा।

पुलिस अधिकारी ने 'शेविंग' के लिए देर से पहुंचने पर नाई को हवालात में बंद किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बदायूं (उप्र)/भाषा। बदायूं जनपद के कोतवाली बिसौली क्षेत्र में 'हेयर कटिंग सैलून' चलाने वाले एक व्यक्ति ने पुलिस क्षेत्राधिकारी पर उनकी शेविंग करने कुछ देर से पहुंचने पर हवालात में बंद करने का आरोप लगाया है।

बिसौली कस्वा निवासी विनोद कुमार और उसके भाई शिव कुमार रोडवेज बस अड्डे के नजदीक 'हेयर कटिंग सैलून' की दुकान चलाते हैं। विनोद और उसके भाई शिव कुमार का कहना है कि मंगलवार सुबह उसे पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) सुनील कुमार ने अपने आवास पर बुलाया था। विनोद कुमार ने आरोप लगाया कि उस समय वह अपने ग्राहकों के बाल काट रहा था, जिसके कारण वह सीओ आवास पर करीब 20 मिनट देर से पहुंचा। उसके अनुसार इसी बात को लेकर सीओ भड़क गए और उसे जमकर फटकार लगाई एवं वहां से उसे भगा दिया। विनोद कुमार ने बताया कि कुछ समय पश्चात उसकी दुकान पर चार पुलिस कर्मी पहुंचे जिन्होंने उसकी दुकान बंद करा दी और उसे पकड़कर कोतवाली ले आए। विनोद कुमार का कहना है कि उसे हवालात में बंद कर दिया गया और 24 घण्टे बाद बाद बुधवार दोपहर को उसे छोड़ा गया। इस पूरे घटनाक्रम पर विनोद के भाई शिव कुमार का एक वीडियो भी वायरल हुआ है। सूचना मिलने पर विनोद के परिवार वाले भी कोतवाली पहुंच गए। उन्होंने विनोद को छोड़ने की काफी गुहार लगाई किन्तु पुलिस ने विनोद को नहीं छोड़ा। उसे बुधवार दोपहर तक कोतवाली में ही बिठा कर रखा गया।

नोएडा : एसी में विस्फोट से लगी फ्लैट में आग, कोई हताहत नहीं

नोएडा/भाषा। उत्तर प्रदेश में नोएडा की एक आवासीय इमारत के फ्लैट में बृहस्पतिवार सुबह आग लग गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक, एयर कंडीशनर (एसी) में विस्फोट के कारण फ्लैट में आग लगी। सेक्टर-100 स्थित लोटस बुलेवार्ड सोसायटी में हुई इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

मुख्य दमकल अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि स्थानीय और सोसायटी में रहने वाले लोगों ने अग्निशमन विभाग को पूर्वाह्न 10 बजकर 10 मिनट पर इमारत की 10वीं मंजिल के फ्लैट में आग लगने की सूचना दी। उन्होंने बताया, हमने तुरंत मौके पर दमकल की पांच गाड़ियों को भेजा। लेकिन हमारे वाहनों के वहां पहुंचने से पहले ही सोसायटी में लगी अग्निशमन प्रणालियों ने 10 मिनट के भीतर आग को बुझा दिया। चौबे ने बताया, आग एसी (एयर कंडीशनर) में विस्फोट के कारण लगी थी। चूंकि पानी का छिड़काव करने वाली जैसी अग्निशमन प्रणालियां बिल्कुल ठीक से काम कर रही थीं इसलिए आग ज्यादा नहीं फैली और (फ्लैट के) एक कमरे तक ही सीमित रही। उन्होंने बताया कि इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में सोसायटी के एक फ्लैट से धुआं निकलता हुआ दिखाई दे रहा है।

ओडिशा के पुरी में पटाखों के ढेर में विस्फोट से तीन लोगों की मौत, 33 घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुरी/भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के पुरी में भगवान जगन्नाथ के चंदन यात्रा उत्सव के दौरान पटाखों के ढेर में विस्फोट होने से एक नाबालिग समेत कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और 33 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने बुधवार रात हुए पटाखा विस्फोट की प्रशासनिक स्तर की जांच के आदेश दिए और प्रत्येक मृतक के परिजन को चार-चार लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, जांच राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव द्वारा की जाएगी, जो विशेष राहत आयुक्त भी हैं।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, एक लड़के की कटक के एससीबी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में मौत हो गई, जबकि दो अन्य की भुवनेश्वर के निजी अस्पतालों में इलाज के दौरान मौत हो गई।

पुरी के पुलिस अधीक्षक (एसपी) पिनाक मिश्रा ने बताया कि बुधवार रात को यह हादसा उस समय हुआ जब सैकड़ों लोग अनुष्ठान देखने के लिए नरेन्द्र पुष्करिणी के तट पर एकत्र हुए थे। अचानक जलते हुए पटाखों का एक टुकड़ा भंडार में जा गिरा, जिससे विस्फोट हो गया।

मुख्यमंत्री बृहस्पतिवार सुबह घायलों से मिलने के लिए एक निजी अस्पताल पहुंचे। उन्होंने अस्पताल के डॉक्टरों से बात की और उन्हें वहां इलाज करा रहे घायलों को सर्वोत्तम उपचार प्रदान करने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री ने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की और उनके परिवार के सदस्यों से मुलाकात की।

ओडिशा के मुख्य सचिव प्रदीप कुमार जेना, खुर्दा जिलाधिकारी चंचल राणा और स्वास्थ्य सचिव शालिनी पंडित घायल लोगों के इलाज की जानकारी लेने के लिए बुधवार देर रात अलग-अलग अस्पताल पहुंचे।

जेना ने 'एक्स' पर कहा, विभिन्न अस्पतालों में भर्ती 36 मरीजों में से छह को उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई, तीन को मृत घोषित कर दिया गया और 27 का इलाज चल रहा है।

मोदी की जबान लड़खड़ा रही है, वह 'म' अक्षर के पीछे पड़े हैं : अखिलेश यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाराजगंज/मऊ (उप्र)/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि मोदी की जबान लड़खड़ाई हुई है और इन दिनों वह 'म' अक्षर के पीछे पड़े हैं।

यादव ने महराजगंज से 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस' ('इंडिया' गठबंधन) के प्रत्याशी कांग्रेस के वीरेन्द्र चौधरी के समर्थन में आयोजित एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, जो हमारे दिल्ली वाले 'प्रधान सांसद' जी हैं, वह आजकल न जाने क्यों 'म' शब्द के पीछे पड़े हुए हैं। जबसे उन्हें घबराहट हुई है, न केवल वह खुद डगमगाए हैं, बल्कि उनकी जबान भी लड़खड़ाई है। इधर जो सुनने को मिल रहा है कि जब ऊंचाई से उनकी गिरावट शुरू हुई है जो वह गिरते जा रहे हैं, न जाने कहां जाकर गिरेंगे। उनका काउंटडाउन शुरू हो चुका है।

यादव ने प्रधानमंत्री की हाल की टिप्पणियों पर तंज करते हुए कहा, इस चुनाव में (प्रधानमंत्री ने) कभी मीट की बात की, कभी मछली की बात की, कभी मुजरे की बात की और अब सुनने में आया है कि वह महात्मा गांधी जी की बात कर रहे हैं। यह जितने शब्द इन्होंने बोले हैं यह सब 'एम' यानी 'म' अक्षर से शुरू होते हैं। वह 'म' के पीछे पड़े हैं। 'म' से महराजगंज भी होता है। महराजगंज वाले भी भाजपा वालों के पीछे पड़े हैं। जब तक उनकी जमानत जब्त नहीं होगी, तब तक महराजगंज के लोग शांति से बैठने वाले नहीं हैं। प्रधानमंत्री मोदी की 30 मई से एक जून तक कन्याकुमारी में विवेकानंद स्मारक में ध्यान लगाने के कार्यक्रम का जिक्र करते हुए यादव ने कहा, सुना है कि अब वह (प्रधानमंत्री) दूर कहीं चले गए हैं। सुना है परिणाम आने से पहले ही कहीं तपस्या के लिए दूर चले गए हैं, क्योंकि जब परिणाम उनके अनुकूल नहीं आएगा तो कहेंगे कि हमारी तपस्या में कुछ कमी रह गई थी।

मार्टिन लूथर किंग जूनियर, मंडेला, आइंस्टीन ने महात्मा गांधी से प्रेरणा ली : राहुल गांधी

बालासोर (ओडिशा)/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को कहा कि मार्टिन लूथर किंग जूनियर, नेल्सन मंडेला और अल्बर्ट आइंस्टीन जैसी प्रसिद्ध हस्तियों ने महात्मा गांधी से प्रेरणा ली। राहुल ने ओडिशा के बालासोर में एक राजनीतिक सभा के दौरान यह टिप्पणी की।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस कथन पर कि दुनिया को महात्मा गांधी के बारे में केवल फिल्म 'गांधी' के जरिये पता चला, राहुल गांधी ने राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ से जुड़े लोगों की आलोचना की और कहा कि गांधी की विरासत के बारे में उनकी समझ में कमी है। उन्होंने कहा, जिनका प्रशिक्षण आरएसएस की शाखाओं में होता है, वे गोडसे के अनुयायी हैं, उन्हें गांधीजी के बारे में कुछ भी पता नहीं है। उन्हें हिंदुस्तान के इतिहास, सत्य और हिंसा के बारे में कुछ नहीं पता। इसकी उम्मीद थी कि प्रधानमंत्री कहेंगे कि दुनिया गांधीजी के बारे में कुछ नहीं जानती। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मार्टिन लूथर किंग जूनियर, नेल्सन मंडेला और आइंस्टीन जैसे लोगों के साथ-साथ विभिन्न स्वतंत्रता आंदोलनों को गांधीजी के सिद्धांतों से प्रेरणा मिली।

उन्होंने कहा, मार्टिन लूथर किंग जूनियर, मंडेलाजी, आइंस्टीन और कई अन्य लोगों ने महात्मा गांधी से प्रेरणा ली। विभिन्न आंदोलनों, स्वतंत्रता आंदोलनों ने भी गांधीजी से प्रेरणा ली। भारत के बच्चों को भी गांधीजी से प्रेरणा मिलती है। राहुल गांधी ने यह कहते हुए अपनी बात समाप्त की कि इस मामले पर आगे कोई टिप्पणी अनावश्यक है। राहुल गांधी ने कहा, इस विषय पर और अधिक टिप्पणी करने की कोई आवश्यकता नहीं है। उनकी दुनिया उनकी 'शाखा' में है।

भाजपा तीसरी बार केंद्र की सत्ता में नहीं लौटेगी : ममता बनर्जी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) लगातार तीसरी बार सत्ता में नहीं लौटेगी।

यादवपुर और दक्षिण कोलकाता लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में 12 किलोमीटर लंबे रोड शो के दौरान लोगों को संबोधित करते हुए बनर्जी ने कहा, यदि मतगणना प्रक्रिया सही ढंग से हुई तो ऐसी संभावना है कि भाजपा इस बार सत्ता में वापसी नहीं कर पाएगी। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री के पद का एक खास महत्व है और इसकी संवैधानिक जिम्मेदारियां हैं, लेकिन उन्हें (भाजपा) इसकी परवाह नहीं है। हर बार मतगणना से पहले वह 48 घंटे तक प्रचार पाने के लिए कहीं न कहीं बैठ जाते हैं। वे ध्यान लगा सकते हैं, लेकिन कैमरों की मौजूदगी में ही ऐसा क्यों?''

तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख बनर्जी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बृहस्पतिवार को लोकसभा चुनाव प्रचार अभियान के समापन के बाद कन्याकुमारी में रॉक मेमोरियल में निर्धारित ध्यान कार्यक्रम का जिक्र कर रही थीं।

पिछले लोकसभा चुनाव में प्रचार के बाद मोदी ने केदारनाथ के निकट एक गुफा में ध्यान लगाया था।

बनर्जी ने बुधवार को कहा था कि यदि कन्याकुमारी में प्रधानमंत्री मोदी के ध्यान का टेलीविजन पर प्रसारण किया जाता है तो उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस निर्वाचन आयोग से शिकायत करेगी। उन्होंने आरोप लगाया था कि ऐसा करना आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन होगा।

बनर्जी के रोड शो में बड़ी संख्या में लोग पार्टी के झंडे लेकर चल रहे थे। ममता बनर्जी ने पूरे रास्ते चलते हुए भीड़ की ओर हाथ हिलाया और कभी-कभी हाथ जोड़कर उनका अभिवादन किया।

गर्मी और लू की चपेट में आकर मालगाड़ी का चालक अचेत, अस्पताल में भर्ती

बांदा (उप्र)/भाषा। मालगाड़ी लेकर झांसी से बांदा आ रहा एक चालक बृहस्पतिवार को भीषण गर्मी और लू की चपेट में आकर अचेत हो गया और उसे इलाज के लिए महोबा जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। यह जानकारी सरकारी अस्पताल के एक चिकित्सक ने दी।

महोबा जिला अस्पताल की आपातकालीन (इमरजेंसी) वार्ड के चिकित्सक डॉ विष्णु ने बताया कि बृहस्पतिवार को मालगाड़ी के चालक (लोको पायलट) विनोद कुमार (42) को अचेतावस्था में उनके सहयोगी चालक गगन सैनी ने यहां इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया, उन्हें उल्टियां होने और लू लगने की शिकायत थी। उन्होंने मालगाड़ी के सहयोगी चालक गगन सैनी के हवाले से बताया कि विनोद कुमार मालगाड़ी को झांसी से बांदा ले जा रहे थे, लेकिन गाड़ी के इंजन का तापमान बढ़ने पर उन्हें उल्टियां होने लगीं और उन्होंने मालगाड़ी कुलपहाड़ रेलवे स्टेशन पर रोक कर रेल अधिकारियों को इसकी सूचना दी। चिकित्सक ने बताया कि उन्होंने (विनोद कुमार ने) मालगाड़ी को किसी तरह महोबा तक लाया और वह यहां ट्रैक में गाड़ी खड़ी करने के बाद जैसे ही उतरे तो वह अचेत हो गए। डॉ. विष्णु ने बताया कि मालगाड़ी के सहयोगी चालक गगन सैनी उन्हें एंबुलेंस से लाकर इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया है।

झारखंड के मंत्री आलमगीर आलम को धन शोधन मामले में दो दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया

रांची/भाषा। रांची की एक पीएमएलए अदालत ने बृहस्पतिवार को झारखंड के मंत्री आलमगीर आलम को कथित धन शोधन मामले में दो दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। आलम को एक जून को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए अदालत के समक्ष पेश किया जाएगा। मंत्री को ईडी ने 15 मई को एजेंसी के कार्यालय में दो दिन तक पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया था। आलम के वकील किशलय प्रसाद ने कहा, 14 दिन की ईडी रिमांड बृहस्पतिवार को पूरी हो गई। न्यायिक हिरासत के लिए अनुरोध किया गया और इसे मंजूर कर लिया गया।

धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत मामलों की सुनवाई करने वाली अदालत ने 17 मई को आलम को छह दिन की ईडी हिरासत में भेज दिया था और 22 मई को हिरासत पांच दिन और बढ़ा दी गई थी। इसके बाद अदालत ने 27 मई को तीन दिन के लिए और हिरासत बढ़ा दी थी।

भाजपा और जदयू के बीच बढती दूरी दर्शाती है कि चार जून के बाद बिहार में 'कुछ बड़ा' होगा : तेजस्वी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बारे में हाल की अपनी टिप्पणी को दोहराते हुए बृहस्पतिवार को दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के बीच बढती कथित दूरी दर्शाती है कि लोकसभा नतीजे आने के बाद बिहार में ''कुछ बड़ा'' होगा।

तेजस्वी ने यहां पत्रकारों से कहा, जब से हमने कहा कि चार जून के बाद हमारे चाचा (नीतीश कुमार) अपनी पार्टी को बचाने के लिए कोई बड़ा निर्णय ले सकते हैं, तब से वह प्रचार में नहीं निकले हैं। प्रशासन का काम राज्यपाल देख रहे हैं एवं अधिकारियों को बुलाकर के समीक्षा कर रहे हैं। जदयू और भाजपा अपनी-अपनी सीट पर लगी हुई है। उनके बीच कोई तालमेल नहीं है। यह जो अंतर है वह दिखाता है कि चार जून के बाद कुछ बड़ा होगा। राजद नेता ने 28 मई को नीतीश कुमार के बारे में कहा था, हमारे चाचा पिछडों की राजनीति और पार्टी बचाने के लिए कोई भी बडा फैसला चार जून के बाद कर सकते हैं। नीतीश कुमार के महागठबंधन से नाता तोड़कर भाजपा नीत राजग में चले जाने के कारण तेजस्वी यादव ने जनवरी में उपमुख्यमंत्री पद खो दिया था।

यह पूछे जाने पर कि क्या वह जदयू प्रमुख के साथ फिर से गठबंधन करेंगे तेजस्वी ने कहा था, यह बाद में देखा जाएगा। पिछले एक दशक में नीतीश कुमार ने दो बार तेजस्वी यादव के पिता लालू प्रसाद के नेतृत्व वाले राजद के साथ गठबंधन किया। हाल में जदयू 1990 के दशक से उसकी सहयोगी रही भाजपा के साथ फिर चला गया।

भारत की जर्सी पहनना अलग अहसास है, उम्मीद है कि इसे यादगार बना पाऊंगा: पंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

न्यूयॉर्क/भाषा। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत पांच जून को जब नासाउ काउंटी मैदान पर आयरलैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप के पहले मैच के लिए भारत की जर्सी पहनेंगे तब तक उनकी भयानक कार दुर्घटना को 527 दिन हो चुके होंगे। वह इस मुकाबले में खेलने के लिए बेताब हैं।

पंत ने 2022 में भीषण कार दुर्घटना के बाद भावनात्मक वापसी करते हुए इस साल 23 मार्च को दिल्ली कैपिटल्स की नीली जर्सी पहनी थी लेकिन वह नीले रंग की एक अलग जर्सी पहनने के लिए

अधिक उत्सुक हैं- भारत की नीली जर्सी। एक जून को बांग्लादेश के खिलाफ अभ्यास मैच से पूर्व भारत के पहले नेट सत्र के इतर पंत ने 'बीसीसीआई.टीवी' से कहा, भारतीय जर्सी पहनकर मैदान पर वापस आना एक अलग ही अहसास है। यह कुछ ऐसा है जिसकी मुझे बहुत याद आती थी... उम्मीद है कि मैं इसे भुना पाऊंगा और यहां से बेहतर प्रदर्शन करूंगा।

राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में 15 महीने तक रिहैबिलिटेशन से गुजरने वाले पंत के साथ इस बातचीत के दौरान टीम के साथी सूर्यकुमार यादव भी मौजूद थे। पंत ने उस समय को याद किया जब उनकी मौजूदगी ने उन्हें एनसीए में अपने चोट प्रबंधन कार्यक्रम के अकेलेपन से निपटने में मदद की थी। पंत ने कहा, यहां टीम को देखना और उनसे फिर से मिलना, समय बिताना, उनके साथ मौज-मस्ती करना, उनसे बातचीत करना, मुझे वाकई बहुत अच्छा लगा। पंत 13 आईपीएल मैचों में 446 रन बनाने के बाद धीरे-धीरे लय में लौट रहे हैं। न्यूयॉर्क शहर के बाहरी इलाके में केंटियाग पार्क में भारत के नेट्स पर दुबले-पतले और फिट पंत अच्छी लय में दिखे।

पंत ने भविष्य में अमेरिका में क्रिकेट की लोकप्रियता बढ़ने की संभावनाओं के बारे में भी बात की। उन्हें लगता है कि टी20 विश्व कप इसमें अहम भूमिका निभा सकता है। उन्होंने कहा, हम कुछ खास देशों में खेलने के आदी हैं लेकिन यह एक अलग संभावना है। इसने खेल के लिए एक अलग रास्ता खोल दिया है क्योंकि मुझे लगता है कि क्रिकेट दुनिया भर में बढ़ रहा है और... यहां टूर्नामेंट का आयोजन क्रिकेट के साथ-साथ अमेरिकी क्रिकेट के लिए भी अच्छा होगा।

उन्होंने टूर्नामेंट के दौरान इस्तेमाल की जाने वाली ड्रॉप इन पिचों और तेज धूप के बारे में बात की जिसके वह और बाकी टीम आदी हो रहे हैं। पंत ने कहा, नई पिचें हैं। मैं अभी परिस्थितियों के हिसाब से ढल रहा हूं।

मिजोरम पुलिस ने 24 विदेशी जंतुओं को बचाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

आइजोल/भाषा। मिजोरम पुलिस ने मिजोरम-त्रिपुरा सीमा से 18 सांपों सहित 24 जंतुओं को बचाया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को एक बयान में यह जानकारी दी। बयान में कहा गया है कि त्रिपुरा के दो निवासियों को विदेशी जंतुओं को रखने और उनका परिवहन करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। बयान में कहा गया है कि कान्हमुन गांव में पुलिस कर्मियों ने 25 मई को त्रिपुरा जा रहे एक वाहन को रोका और 18 सांप, चार कछुए और दो बंदरों को बचाया।

इसमें कहा गया है कि वाहन के चालक त्रिपुरा के अमरपुर जिले के निवासी चावंगथनमाविया (32) को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। बयान के मुताबिक, पूछताछ करने पर, चावंगथनमाविया ने खुलासा किया कि विदेशी जंतु की खेप उसे आइजोल में ज़ोडिन बस स्टैंड से बिनोई मोल्सोम द्वारा सौंपी गई थी, जिसने उसे अगरतला के सामुली बाजार में उन्हें पहुंचाने का निर्देश दिया था। बयान में है कि उत्तरी त्रिपुरा जिले के बक्सा निवासी मोल्सोम (34), जिसने खेप भेजी थी, उसको सैरांग पुलिस ने ढूंढ लिया और आवश्यक कार्रवाई के लिए गिरफ्तार कर लिया।

सुविचार

जिंदगी एक खेल की तरह है, यहाँ खिलाड़ी बनना पड़ता है, नहीं तो दुनिया जज्बातों के साथ खेलती है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

घुसपैठः एक गंभीर समस्या

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल में एक जनसभा को संबोधित करते हुए इस राज्य के सीमावर्ती इलाकों में घुसपैठ का जो मुद्दा उठाया, उसे अत्यंत गंभीरता से लेने की जरूरत है। यूं तो नेतागण चुनावी भाषणों में आरोप-प्रत्यारोप लगाते रहते हैं, लेकिन यह मुद्दा राष्ट्रीय सुरक्षा और अखंडता से जुड़ा है। मुद्दे की गंभीरता इस बात से ज्यादा बढ़ जाती है, क्योंकि प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि 'पश्चिम बंगाल के सीमावर्ती इलाकों में घुसपैठ के कारण जनसांख्यिकी बदल रही है।' बांग्लादेश हमारा ऐसा पड़ोसी है, जिसकी आज़ादी के लिए भारतीय सैनिकों ने अपना लहू दिया था। वर्ष 1971 के युद्ध से पहले काफी लोग उस समय के पूर्वी पाकिस्तान से इधर आ गए थे। युद्ध समाप्त होने के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने भी कहा था कि जो शरणार्थी आए हैं, उन्हें अब अपने देश जाना चाहिए। हालांकि यह एक कड़वी हकीकत है कि बांग्लादेशियों को स्वदेश भेजने के लिए उस स्तर पर प्रयास नहीं हुए, जैसे होने चाहिए थे। जो लोग यहां रह गए, वे तो हैं ही, अब बांग्लादेश से भी लोग अवैध ढंग से यहां आ रहे हैं, रह रहे हैं! जब आपको आजादी मिल गई, अपना अलग देश मिल गया, जहां लोकतांत्रिक ढंग से चुनी हुई सरकार है, जिसके नेतृत्व में अर्थव्यवस्था अच्छा प्रदर्शन कर रही है ... इन सबके बावजूद अवैध ढंग से भारत में आने / यहां रहने का क्या औचित्य है? अब आपका बोझ भारत क्यों उठाए? ऐसे लोगों के साथ कोई नरमी नहीं होनी चाहिए। उनकी पहचान कर स्वदेश भेजना जरूरी है, अन्यथा भविष्य में गंभीर समस्याएं पैदा हो सकती हैं। भारत में रहकर घुसपैठियों की मदद करने वाले लोग भी इस अपराध में बड़े भागीदार हैं। ऐसे कई मामले सामने आ चुके हैं, जब किसी बांग्लादेशी ने भारत में आकर फर्जी आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र और अन्य दस्तावेज बनवा लिए। चंद रुपयों के लालच में देश की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वाले ऐसे तत्त्वों को नहीं बख्शना चाहिए।

हाल में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने इस गंभीर समस्या की ओर ध्यान आकर्षित किया था, जिन्होंने पाया कि प. बंगाल में फर्जी दस्तावेजों से बांग्लादेशी घुसपैठियों की मदद की जा रही है। बांग्लादेश के पासपोर्ट से भारत आकर एक शख्स ने यहां अपना फर्जी आधार कार्ड बनवा लिया। यही नहीं, उसने अपनी पूरी पहचान बदल ली। अपना नाम, माता-पिता का नाम, उम्र आदि बदलकर वह दस्तावेजों में भारतीय बन चुका था। यह तो एक मामला है। अगर गंभीरता से जांच करेंगे तो कई मामले सामने आएंगे। जब कभी घुसपैठियों को उनके देश भेजने की बात की जाती है तो कथित बुद्धिजीवियों और नेताओं का एक वर्ग उनकी हिमायत में खड़ा हो जाता है। वे अपने घरों में किसी अजनबी को एक घंटा भी न रहने दें, लेकिन बांग्लादेशी घुसपैठियों और रोहिंग्याओं को भारत में 'पूरी सुविधाएं' दिलाने के नाम पर जोरदार भाषण देते हैं। कुछ राजनीतिक दल घुसपैठियों को अपने संभावित वोटबैंक के तौर पर देखते हैं। हैरान करने वाली बात यह है कि जब वे विपक्ष में होते हैं तो कभी-कभार 'घुसपैठ' का मुद्दा उठा देते हैं, लेकिन जैसे ही सत्ता में आते हैं, इस पर चुप्पी साध लेते हैं। वोटबैंक के नाम पर राष्ट्रीय सुरक्षा और अखंडता के साथ ऐसे 'समझौते' की अनुमति किसी को क्यों मिलनी चाहिए? कुछ लोग घुसपैठ की समस्या के प्रति अगंभीर रवैया दिखाते हुए 'तर्क' देते हैं कि देश में इतने लोग रहते हैं, थोड़े-से लोग और रह लेंगे तो क्या हो जाएगा? वास्तव में यह कुतर्क है, अदूरदर्शिता का उदाहरण है। आज यूरोप के कई देश घुसपैठ की समस्या से त्रस्त हैं। वे कुछ दशक पहले तक काफी खुशहाल हुआ करते थे। आज वहां अव्यवस्था फैल रही है। आए दिन उत्पात की घटनाएं हो रही हैं। क्या हमें उनसे सबक नहीं लेना चाहिए? हमने अतीत में 'विदेशियों' को निर्बाध विचरण की अनुमति दी थी, जिसके परिणाम कालांतर में अत्यंत भयानक रहे। क्या हमें अपने ही अनुभवों से सबक नहीं लेना चाहिए? जो व्यक्ति भारत की सीमाओं में अवैध ढंग से दाखिल हो, यहां अवैध ढंग से रहे, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। यही नहीं, जो व्यक्ति अवैध गतिविधियों में उसका मददगार बने, उसे भी कठोर दंड मिलना चाहिए। घुसपैठ करने वालों और करवाने वालों, दोनों में कानून का भय होना चाहिए, जो अभी नजर नहीं आ रहा है।

ट्वीटर टॉक

1 जून को विकास की पार्टी चुनेगी मंडी की जनता और मैं भी मेरे बड़े भाई योगी आदित्यनाथ जी के शब्दों का मान रखते हुए मंडी लोकसभा क्षेत्र के उत्थान के लिए अपने सामर्थ्य का उपयोग कर 'जी जान लगा दूंगी'

-कंगना रानौत

जम्मू के अखनूर क्षेत्र में तीर्थयात्रियों की बस के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने की सूचना पाकर दुखी हूँ। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें। घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हो। परिवारजनों को आघात सहन करने की शक्ति मिले। मेरी संवेदना उन तक पहुँचे।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

भरतपुर में सीवर टैंक की सफाई के दौरान जहरीली गैस के रिसाव से 3 नागरिकों की मृत्यु की हृदयविदारक घटना से मन अत्यंत व्यथित और दुःखी है। संबंधित अधिकारियों को इस प्रकरण की निष्पक्ष जांच व पीड़ित परिवार को हर संभव राहत प्रदान करने हेतु निर्देशित किया गया है।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

स्वावलंबी बादशाह

गुलाम-वंशीय नासिरुद्दीन बादशाह धर्मनिष्ठ था। आजीवन उसने राजकोष से एक भी पैसा न लेकर अपनी हस्तलिखित पुस्तकों से जीवन-निर्वाह किया। मुसलमान शासकों के रिवाज के विपरीत उसके एक ही पत्नी थी। घरेलू कार्यों के अलावा रसोई भी स्वयं बेगम को बनानी पड़ती थी। एक बार रसोई बनाते समय बेगम का हाथ जल गया तो उसने बादशाह से कुछ दिन के लिए रसोई बनाने के लिए नौकरानी रख देने की प्रार्थना की। मगर बादशाह ने यह कहकर बेगम की प्रार्थना अस्वीकार कर दी कि राजकोष पर मेरा कोई अधिकार नहीं है। वह तो प्रजा की ओर से मेरे पास धरोहर मात्र है। अपने कुटुंब के भरण-पोषण के लिए स्वयं कमाना चाहिए। जो बादशाह स्वावलंबी न होगा, उसकी प्रजा भी अकर्मण्य हो जायेगी। अतः मैं राजकोष से एक पैसा भी नहीं ले सकता और मेरे हाथ की कमाई सीमित है। उससे तुम्हीं बताओ, नौकरानी कैसे रखी जा सकती है?

सामयिक

तंबाकू के जहर में घुलती अनमोल जिंदगियां

डॉ. प्रितम भि. गेडाम

मोबाइल : 082374 17041

नशा ऐसी घातक लत है जो असाध्य बीमारी, विकलांगता, दर्द और समय से पहले मौत का कारण बनती है, आर्थिक हानि के साथ-साथ सामाजिक प्रतिष्ठा को क्षति पहुंचती है तथा मानसिक कष्ट होता है। दुनिया में हजारों तरह के स्वास्थ्यवर्धक स्वादिष्ट व्यंजन हैं खाने के लिए, फिर भी लोग नशे के लिए अनमोल जीवन बरबाद करते हैं। देश में बेहद आसानी से बहुत कम कीमत पर मिलने वाला नशा तंबाकू है, जिसका सेवन समाज में सभी आयु वर्ग के लोग करते हुए नजर आते हैं। पिछड़े ग्रामीण क्षेत्रों या शहरी मलिन बस्तियों में या सड़क किनारे 5 साल के छोटे बच्चे भी तंबाकू खाते हुए नजर आते हैं, जहां अभिभावक बच्चों की ओर ध्यान नहीं देते, जो हमारे आधुनिक युग और सभ्य कहलाने वाले समाज के लिए बेहद शर्म की बात है। हमेशा बड़े बुजुर्ग, अभिभावक बच्चों के सामने ही तंबाकू खाते या धूम्रपान करते हुए दिखते है, जिसका सीधा असर बच्चों पर पड़ता है। तंबाकू का नशा शरीर में धीमे जहर की तरह काम करता है, जो घातक बीमारियों से शरीर को जकड़कर मारता है। तंबाकू के प्रति जन जागरूकता एवं नशामुक्ति से लाखों लोगों की जान बचाई जा सकती है और अरबों डॉलर भी, जो बीमारियों के इलाज पर खर्च किये जाते है। तंबाकू के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए हर साल 31 मई को दुनिया भर में विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष की थीम 'तंबाकू उद्योग के हस्तक्षेप से बच्चों की रक्षा' है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन अनुसार, साल 2017 में धूम्रपान संबंधित मौतें 80 लाख थी। वैश्विक स्तर पर हर 5 में से 1 वयस्क धूम्रपान करने वाला है और 80 प्रतिशत तंबाकू उपयोगकर्ता निम्न और मध्यम आय वाले देशों में है, धूम्रपान से जुड़ी वैश्विक मौतों का प्रतिशत 15 है। 1.6 करोड़ अमेरिकी वयस्क धूम्रपान से जुड़ी बीमारी से पीड़ित हैं, अमेरिका में हर साल तंबाकू से 480,000 से अधिक लोग मरते हैं। तंबाकू में मौजूद विषाक्त पदार्थ प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर करते हैं, जिससे बीमार होकर मृत्यु का खतरा बढ़ जाता है। आर्सेनिक, सीसा, टार- ये तंबाकू के धुएं में मौजूद घातक 7,000 से अधिक रसायनों में से ही कुछ रसायन है। तंबाकू का उपयोग कैंसर, फेफड़ों की बीमारी, हृदय रोग और स्ट्रोक सहित कई जानलेवा बीमारियों के लिए एक प्रमुख जोखिम कारक है। यह अनुमान लगाया गया है कि जागरूकता सेवाओं की कमी के कारण 2050 तक धूम्रपान करने वालों के बीच 16 करोड़ अतिरिक्त वैश्विक मौतें हो सकती हैं।

भारत में तंबाकू के उपयोग का सबसे प्रचलित रूप धुआं रहित तंबाकू है और आमतौर पर इस्तेमाल की जाने वाली खैनी, गुटखा, तंबाकू के साथ सुपारी और जर्दा हैं। बीड़ी, सिगरेट और हुक्का तंबाकू धूम्रपान के प्रकार है। देश में हर साल लगभग 13.5 लाख लोगों की मौत का कारण तंबाकू बनता है। धुआं रहित तंबाकू वैश्विक बोझ का 70 प्रतिशत हिस्सा भारत पर है। धुआं रहित तंबाकू के सेवन से हर साल 2,30,000 से अधिक भारतीयों की मौत हो जाती है। भारत में लगभग 90 प्रतिशत मुँह के कैंसर का कारण धुंआ रहित तंबाकू का सेवन है। बीड़ी और सिगरेट पीने वाले अन्यों की तुलना में 6 से 10 साल पहले मर जाते हैं। भारत में 27 प्रतिशत कैंसर तंबाकू के सेवन से होते है।

ग्लोबल एडल्ट टोबैको सर्वे इंडिया 2016-17 के अनुसार, भारत में लगभग 26.7 करोड़ वयस्क (15 वर्ष और उससे अधिक) अर्थात सभी वयस्कों का 29 प्रतिशत तंबाकू उपयोगकर्ता है, जिनमें 42 प्रतिशत से अधिक पुरुष और 14 प्रतिशत से अधिक महिलाएं शामिल हैं। किशोरों में तंबाकू सेवन का प्रचलन लड़कों में 19 प्रतिशत और लड़कियों में 8 प्रतिशत है। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा तंबाकू उत्पादक और उपभोक्ता देश है, जो 761,335 टन तंबाकू का उत्पादन करता है। वर्ष 2017-18 में, भारत में 35 वर्ष एवं उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए तंबाकू के सेवन से होने वाली सभी बीमारियों के इलाज की कुल आर्थिक लागत 1,77,341 करोड़ रुपये थी।

हर साल लाखों भारतीयों की मौत सेकेंड हैंड धुएं के संपर्क में आने से हो जाती है। धूम्रपान करनेवाले की गलती का खामियाजा धूम्रपान नहीं करनेवाले आबादी को अपनी मौत देकर चुकानी पड़ती है, फिर भी लोग तंबाकू का सेवन नहीं छोड़ते है। सेकेंडहैंड धूम्रपान अर्थात जब कोई व्यक्ति सिगरेट/बीड़ी पीते हुए उससे निकलने वाले जहरीले धुएं को अपने आसपास के वातावरण में छोड़ता है और उस धुएं के संपर्क में आनेवाले व्यक्ति या बच्चे ऑक्सीज़न के साथ उस जहरीले धुएं को अपने शरीर में लेते है, तब उस धुएं को सेकंडहैंड धूम्रपान कहते है। 30.2 प्रतिशत वयस्क कार्यस्थल पर, 7.4 प्रतिशत रेस्तरां में, और 13.3 प्रतिशत सार्वजनिक परिवहन में धूम्रपान के संपर्क में आते हैं। 21 प्रतिशत किशोर (13-15 वर्ष की आयु) सार्वजनिक स्थानों पर और 117 घर पर धूम्रपान के संपर्क में आते हैं। वर्ष 2019 में भारतीय स्कूली छात्रों के बीच तंबाकू के उपयोग पर आईआईपीएस द्वारा किए गए ग्लोबल यूथ टोबैको सर्वे के अनुसार, 23 प्रतिशत से अधिक हाईस्कूल के छात्र घर के अंदर धूम्रपान करना पसंद करते हैं। इसके अलावा, लगभग 20 प्रतिशत छात्र स्कूल परिसरों में धूम्रपान करना पसंद करते हैं। हाई स्कूल के नौ प्रतिशत छात्रों ने अक्सर तंबाकू उत्पादों का उपयोग करने की सूचना दी। तंबाकू उत्पादन के लिए व्यापक कीटनाशकों और उर्वरकों के उपयोग से जल प्रदूषित होता हैं और विनिर्माण से सालाना 2 मिलियन टन से अधिक कचरा उत्पन्न होता है और 4.3 मिलियन हेक्टेयर भूमि भी नष्ट हो जाती है, जिससे वनों की कटाई में योगदान होता है। रोगों और पर्यावरणीय क्षति पर अंकुश लगाने के लिए धूम्रपान मुक्त भविष्य के लिए वैश्विक सहयोग की आवश्यकता है।

नशे के बारे में पीढ़ी दर पीढ़ी परम्परावादी मनगढ़ंत झूठ भी हमारे समाज में खूब फैला है, ढूंढने से हजारों बहाने मिल जाते है, नशेड़ियों का समाज में कोई सम्मान नहीं होता। नशा सिर्फ बर्बादी देता है और नशा कभी भी छोड़ा जा सकता है, केवल इच्छाशक्ति प्रबल होना आवश्यक है। जीवन के प्रति अपना नजरिया बदलें, नशे में अपना जीवन बर्बाद न कर। दृढ़ संकल्प, सकारात्मक सोच, जिम्मेदारी की भावना और खुशनुमा माहौल हमें नशे से छुटकारा पाने में मदद करते हैं। नशा मुक्ति के लिए सबसे पहले नशा करने वाले लोगों से दूरी बनाएं, नशे की तलब आये तो आरोग्यदायक खाद्य पदार्थ के बारे में सोचें, अपनी सेहत और परिवारजनों का विचार कर। अभिभावक अपने बच्चों के व्यवहार और दिनचर्या पर विशेष ध्यान दें, छात्रों में नशे की लत बेतहाशा बढ़ रही है। आज के आधुनिक युग में नशे को बढ़ावा देने के लिए और युवाओं को आकर्षित करने के लिए हुक्का पार्लर का ट्रेंड भी खूब फलफूल रहा है, तंबाकू द्वारा बीमारियों से तड़पकर समय से मरने से अच्छा है कि वक्त रहते संभल जाएं और तंबाकू छोड़े। सरकार, गैर सरकारी संगठन, नशा मुक्ति केंद्र और अन्य सहायता समूह नशे की लत के खिलाफ लड़ाई में भागीदार के रूप में हमेशा हमारे साथ हैं। तुरंत तंबाकू मुक्त होने का संकल्प लें। तंबाकू छोड़ने में सहायता पर परामर्श के लिए नेशनल टोबैको क्विट लाइन सर्विसेज - 1800 112 356 (टोल फ्री) पर संपर्क किया जा सकता है, या 011-22901701 पर मिस्ड कॉल देकर पंजीकरण करें जो एक निःशुल्क सेवा है।

नजरिया

पोर्श हिंसा ने न्याय व्यवस्था को नंगा किया

आचार्य विष्णु हरि

मोबाइल : 9315206123

पोर्श हिंसा को अंजाम देने वाला युवक न केवल वहशी है बल्कि वह हिंसक भी है, शराबी तो हैं ही, इसके अलावा वह यह समझने वाला है कि उसका कोई कुछ नहीं बिगाड सकता है, उसके दादा और बाप अरबपति जो हैं, किसी को रौंदने के बाद भी जेल भी नहीं जाना पड़ेगा, कोई परेशानी नहीं होगी। सभी को यह मालूम होता है कि शराब पीकर बेलगाम कार चलान का हस्र क्या होने वाला है? उसकी यह मानसिकता सच भी साबित होती है। क्योंकि मिनटों-मिनट में उसकी जमानत हो जाती है। उसके अरबपति बाप ने जजों, डॉक्टरों, कर्मचारियों और चालक की ईमानदारी खरीद लिया। जजों, डॉक्टरों और कर्मचारियों के बिकने वाली यह करतूत कोई अकेली नहीं है, ऐसी करतूत तो हमारे देश में चलती रहती है, पैसों के सामने आम आदमी की हैसियत, अस्मिता और जिंदगी हर समय कुचली जाती है।

पोर्श हिंसा सिर्फ मनोवैज्ञानिक अध्ययण का विषय नहीं है। यह भ्रष्टचार, अनैतिकता और अवैध कमाई से जुड़ा हुआ प्रश्न भी है। करोड़पति और अरबपति ऐसे ही नहीं बनते हैं। अवैध कमाई, भ्रष्टाचार, अनैतिकता और लूट-खसौट के बल पर अरबपति-खरबपति बनते हैं। वहशी युवक के पिता विशाल अग्रवाल हों, या फिर इस श्रेणी के अन्य अभिभावक, सभी लखपति से करोड़पति और करोड़ पति से अरबपति बनने में इतने व्यस्त रहते हैं कि उन्हें पता ही नहीं चलता कि उनका बच्चा किस प्रकार से जिंदगियों से खेलता है, मौजमस्ती का खेला करता है। इस श्रेणी के अभिभावक टैक्स चोरी के पैसे अपने बच्चों पर खर्च कर अपना अभिभावक का कर्तव्य पूरा मान लेता है। एक नाबालिग बेटे को पोर्श जैसी महंगी कार देने की जरूरत क्या थी?

निश्चित तौर पर पोर्श हिंसा ने कोई एक को नंगा नहीं किया है, अनेकों को नंगा किया है, नंगा होने वालों की सूची देखेंगे तो आप दंग हो जायेंगे। नंगा होने वालों की सूची देख लीजिये। सबसे पहले नंगा तो जज साहब हुए, जिनकी उम्मीद नहीं थी, जज को पंच परमेश्वर कहा जाता है, यानी जज को भगवान का रूप माना गया है, भगवान न तो किसी के साथ अन्याय करता है और न ही किसी को उनकी योग्यता और कर्म से अलग हटकर कोई छूट देता है। पर जज साहबों ने पोर्श हिंसा को अंजाम देने वाले वहशी, शराबी, खरबपति बाप-दादा के वहशी, हिंसक, शराबी और अवारा टाइप के पुत्र-पोता को जो रियायते दी, वह लोमहर्षक और न्याय के कर्तव्य का गला घोटता है। एक नहीं बल्कि दो होनहार और कर्मठ जिंदगियों को रौंदा था, मौत का घाट उतारा था। जज साहबों को दो होनहार और उच्च शिक्षित युवक-युवतियों की मौत की पीड़ा कचोटती नहीं हैं, युवक-युवतियों के परिजनों के सपने और भविष्य उन्हें दिखायी नहीं देते हैं। सिर्फ कुछ शब्दों का निबंध लिख कर जमानत पर छोड देते हैं। कारण कौन नहीं जानता है? पैसे की गर्मी का कमाल हुआ होगा। अब जजों के बाद दूसरे भगवान समूह की करतूत देखिये, उनके पतन की कहानी देखिये। जजों के बाद डॉक्टरों को भी भगवान का दर्जा प्राप्त है। डॉक्टरों को धरती का भगवान कहा जाता है। डॉक्टर मौत को भी पराजित कर नया जीवन देता है। लेकिन पोर्श हिंसा में डॉक्टरों ने जो करतूत दिखायी है और उनकी घिनौनी कहानी डॉक्टरों के समूह को हमेशा बदनाम करती रहेगी। डॉक्टरों ने ब्लड सैंपल को ही बदल दिया और किसी अन्य का ब्लड लेकर मामले को रफा-दफा कर दिया।

पुलिस जांच में यह साबित हो चुका है कि डॉक्टरों और अस्पताल के कर्मचारियों ने पैरवी पर और पैसे के लालच में ऐसा घिनौना कार्य किया है। दो डॉक्टर और एक कर्मचारी जेल डाले गए, पुलिस के पास डॉक्टरों और कर्मचारियों के खिलाफ सबूत है, वहशी, हिंसक और शराबी युवक के अरबपति दादा ने खुद कॉल कर ऐसा करने के लिए दबाव बनाया था पासा फेंका था, पैसे की गर्मी का कमाल हुआ और डॉक्टरों ने ऐसी करतूत कर डाली, जिससे डॉक्टरी पेशा ही बदनाम हो गयी। घरेलू चालक भी बईमानी पर उतर आया और अपराधी के तौर पर अपने आप को पेश कर दिया, कह दिया कि कार उसके मालिक का बेटा नहीं बल्कि वह खुद चला रहा था पर उसकी झूठ सीसीटीवी कैमरे में पकडी गयी। सीसीटीवी कैमरे में चालक का कहीं अता-पता नहीं था, गाड़ी तो युवक ही चला रहा था और उसकी टीम ही पोर्श कार में झूम रही थी।

न्याय का यह जंगलराज है। ऐसा लोमहर्षक और बईमान तथा कानून को ही रौंदने वाले जजों की बेशर्मी की यह मानसिकता न्याय के दृष्टिकोण के लिए खतरनाक है। जुनाइल बोर्ड के जजों ने न्याय व्यवस्था को पूरी तरह से कठघरे में खडा कर दिया हैं। फिर भी न्याय व्यवस्था का शिखर संस्थान खामोश क्यों है, संज्ञानहीन क्यों हैं? बात-बात पर संज्ञान लेने वाला शिखर संस्थान पोर्श हिंसा में जमानत देने वाले जजों की हरकत और करतूत पर खामोश क्यों हैं? कौन नहीं जानता है कि बिना पैसे की गर्मी के जूनाइल बोर्ड के जजों की जमानत देने की ऐसी लोमहर्षक और न्याय को दफन देने वाली करतूत सामने आ ही नहीं सकती थी? जजों को न्याय की कसौटी पर कौन घसीटेगा? जूनाइल कोर्ट या फिर निचली कोर्ट, हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट को कानून की छूट के अनुसार जमानत देने का अधिकार है पर यह अधिकार कोई अराजकता से पूर्ण नहीं हो सकता है, यह अधिकार किसी की जिंदगी की कीमत पर नहीं हो सकता है, यह अधिकार पीड़ित की संभावनाओं को कुचलने वाला नहीं हो सकता है? अपराध की परिस्थितियां देखी जानी चाहिए, अपराध में पीड़ित पक्ष के नुकसान और हिंत तथा भविष्य भी देखा जाना चाहिए, अपराधी की हैसियत देखी जानी चाहिए, जमानत पर रिहा होने पर पीड़ित पक्ष को नुकसान तो नहीं पहुंचायेगा, मुकदमें को प्रभावित तो नहीं करेगा, सुधरने की जगह और बडा अपराधी तो नहीं बनेगा? ऐसे दृष्टिकोणों पर विचार किया जाता है। लेकिन जब अपराधी बड़ा है और उसकी राजनीतिक हैसियत भी बड़ी हो, उसके पास पैसे की गर्मी भी है और वह पैसे फेकने के लिए तैयार हैं तो फिर उपर्युक्त सभी अहर्ताएं गौण हो जाती हैं। पटना होई कोर्ट का एक जज ने यह कहते हुए शहाबुउदीन को जमानत देने का काम किया था कि वह पीडित पक्ष को डरायेगा और धमकायेगा नहीं, मुकदमें को प्रभावित नहीं करेगा। जबकि शहाबुउदीन का अपराध और उसकी राजनीतिक हैसियत कौन नहीं जानता था, न्याय की भगदड़ मची और कोर्ट की छवि खराब हुई, पटना होईकोर्ट के उस जज की समझ पर सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोजर जरूर चलाया था, शहाबुउदीन की जमानत खरिज हुई थी। लेकिन जमानत देने वाले जज पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। हीरो सलमान खान की सजा पर होईकोर्ट पांच मिनट में बेल देती है। जबकि सलमान खान की हुई सजा की फाइल पांच हजार पेज से भी बडी थी। पांच मिनट या एक-दो घंटे में कोई जज पांच हजार पेज की फाइल पढ सकता है? सुप्रीम कोर्ट के ही जज काटजू ने कहा था कि इलाहाबाद हाईकोर्ट में फैसले बेचे जाते हैं। आज तक इस मामले में कोई कार्रवाई सामने नहीं आयी। अरविन्द केजरीवाल बहुत बडा आदमी नहीं होता तो फिर बिन मांगे उसे जमानत नहीं मिलती। यह सब जजों की यूनियनबाजी का बदबूदार उदाहरण है। जजों और प्रशासनिक अधिकारियों से ज्यादा बदनाम रही पुलिस इस मामले में काबिले तारीफ है, महाराष्ट्र की सरकार काफी सख्त कदम उठायी है। महाराष्ट्र सरकार के सख्त कदम का ही परिणाम है कि जूनायल कोर्ट को अपना फैसला बदलना पडा, अपराधी युवक को बाल जेल भेजा गया, अपराधी युवक के अरबपति बाप-दादा को गंभीर धाराओं में जेल भजा गया। इतना ही नहीं बल्कि ब्लड सैंपल बदलने वाले डॉक्टरों और कर्मचारियों को भी जेल भेजा गया। मीडिया की भूमिका भी बहुत अच्छी रही, मीडिया की सक्रियता के कारण ही जजों की बदनामी हुई, महाराष्ट्र सरकार को सख्त कार्रवाई करने के लिए आगे आना पड़ा।

अब महाराष्ट्र सरकार को उन जजों को भी जेल भेजने की वीरता दिखानी चाहिए जिन जजों ने कुछ शब्दों का निबंध लिखने की शर्त पर जमानत दी थी। महाराष्ट्र सरकार ने जजों के खिलाफ कमिटी भी बनायी है। जिस तरह से पैसे की गर्मी से डॉक्टरों और कर्मचारियों ने अपनी ईमानदारी थी उसी प्रकार जुनाइल कोर्ट के जज भी पैसे से प्रभावित हो सकते हैं? अगर जजों को भी जेल भेजा गया तो फिर आम आदमी की अस्मिता को रौंद कर बड़े लोगों को जमानत देने, राहत देने और मुकदमे खारिज करने की मानसिकता रुकेगी, अगर ऐसा हुआ तो न्याय का जय-जयकार ही होगा, न्याय फिर सर्वव्यापी होगा। खुद सुप्रीम कोर्ट को संज्ञान लेकर जुनाइल बोर्ड ही नहीं बल्कि ऐसे सभी प्रकार के नियामकों के जजों पर कठोर कार्रवाई करने के लिए आगे आना चाहिए था।

महाराष्ट्र सरकार को उन जजों को भी जेल भेजने की वीरता दिखानी चाहिए जिन जजों ने कुछ शब्दों का निबंध लिखने की शर्त पर जमानत दी थी। महाराष्ट्र सरकार ने जजों के खिलाफ कमिटी भी बनायी है। जिस तरह से पैसे की गर्मी से डॉक्टरों और कर्मचारियों ने अपनी ईमानदारी थी उसी प्रकार जुनाइल कोर्ट के जज भी पैसे से प्रभावित हो सकते हैं?

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

लग्जरी गाड़ियों की तेज गति ले रही दूसरों की जान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। पुणे में अत्यधिक गति से जा रही एक सुपर कार से कुचल कर दो आईटी पेशेवरों की मौत की घटना ने नशे में और लापरवाही से वाहन चलाने के भयावह परिणाम दिखाने के साथ साथ यह दोबारा याद दिलाया है कि पहले भी लग्जरी वाहन में रफ्तार के रोमांच ने मौत और विनाश का भयावह मंजर पीछे छोड़ा है।

पुणे में 19 मई को नशे की हालत में तेज गति से चलाई जा रही पोर्श कार ने दो आईटी पेशेवरों की जान ले ली। इस हादसे में अनीश अवधिया और अश्विनी कोस्ता की मौत हो गई। बताया जाता है कि पोर्श कार को 17 वर्षीय एक किशोर नशे की हालत में चला रहा था। अंधाधुंध रफ्तार से भागती कार ने दोनों आईटी पेशेवरों की मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी थी।

इस दुर्घटना से दो दिन पहले, नोएडा में तेज गति से जा रही एक बीएमडब्ल्यू कार ने 16 मई को सुबह 6 बजे एक ई-रिक्शा को टक्कर मार दी थी, जिससे एक नर्स सहित दो लोगों की मौत हो गई थी और तीन घायल हो गए थे। उत्तर प्रदेश में 26 मई को सुबह तेज गति से जा रही एक ऑडी कार ने 64 साल के बुजुर्ग को टक्कर मार दी थी। बुजुर्ग जनक देव शाह की मौके पर ही मौत हो गई। सेक्टर 53 के गिझोर गांव के रहने वाले शाह दूध लेने के लिए जा रहे थे।

उत्तर प्रदेश के गौतम बुद्ध नगर जिले में नोएडा और ग्रेटर नोएडा आते हैं। गौतम बुद्ध नगर में पिछले साल 1,176 सड़क दुर्घटनाएं हुईं, जिसमें 470 लोगों की मौत हो गई और 858 घायल हो गये। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, साल 2022 में जिले में सड़क दुर्घटना में 437 लोगों की मौत हुई और 856 लोग घायल हो गए। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने अपनी रपट में कहा कि 2022 में देश भर में 4.61 लाख सड़क दुर्घटनाएं हुईं, जिसमें 1.68 लाख लोग मारे गए और 4.43 लाख लोग घायल हुए। जान गंवाने वाले 1.68 लाख लोगों में से 1.19 लाख की जान यातायात नियमों के उल्लंघनों के कारण, तेज गति के कारण हुए हादसों में गई।

पिछले साल अगस्त में हरियाणा के नूंह में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर एक पेट्रोल टैंकर से रोल्स रॉयस फैंटम की टक्कर हुई जिसमें दो लोगों की मौत हो गई थी। बताया जाता है कि ट्रक गलत दिशा से जा रहा था और लिमोसिन की गति करीब 230 किमी प्रति घंटा थी।

लक्जरी कारों से सड़क दुर्घटनाओं की बढ़ती संख्या के बारे में सड़क सुरक्षा अधिवक्ता और गैर सरकारी संगठन 'सेव लाइफ फाउंडेशन' के संस्थापक पीयूष तिवारी ने कहा कि यह समस्या देश में त्रुटिपूर्ण लाइसेंसिंग प्रणाली के कारण उत्पन्न हो रही है। उन्होंने कहा अगर आपके पास एक एलएमवी लाइसेंस है तो आप 800 सीसी के इंजन वाली कार से लेकर हाईपॉवर वाली सुपर कार तक कुछ भी चला सकते हैं।

लाइसेंसिंग प्रणाली में सुधार जरूरी है। वाहन चलाने की क्षमता के आधार पर लाइसेंस दिया जाना चाहिए। नवंबर 2022 में टाटा संस के पूर्व अध्यक्ष साइरस मिस्त्री और उनके दोस्त जहांगीर पंडोल की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी। मोटर वाहन दुर्घटनाओं ने पैदल चलने वालों को भी नहीं बख्शा है। भारत में सड़क दुर्घटना 2022 की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रीय राजमार्गों पर 20,513 दुर्घटनाओं में 10,160 पैदल यात्रियों की मौत हुई है।

'ताइवान की स्वतंत्रता' का मतलब युद्ध : चीन की सेना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीजिंग। चीन की सेना ने ताइवान की स्वतंत्रता का मतलब युद्ध बताते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि वह इस द्वीप में अलगाववादी गतिविधियों के समर्थन में विदेशी हस्तक्षेप को विफल करने के लिए दृढ़ कार्रवाई करने के लिए तैयार है। चीनी सैन्य प्रवक्ता सीनियर कर्नल वू कियान ने यहां मीडिया को बताया कि चीन का एकीकरण इतिहास की एक अपरिवर्तनीय प्रवृत्ति है और पीपल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) ताइवान की किसी भी स्वतंत्रता का जवाब देने के लिए दृढ़ कार्रवाई करने के लिए तैयार है। वू, ताइवान के नए नेता लाई चिंग-ते द्वारा 20 मई को द्वीप के नए राष्ट्रपति के रूप में शपथ ग्रहण के दौरान दिए गए स्वतंत्रता समर्थक भाषण पर पूछे गए प्रश्न पर प्रतिक्रिया दे रहे थे।

लाई (64) को विलियम लाई के नाम से भी जाना जाता है। उन्होंने इस वर्ष जनवरी में हुए राष्ट्रपति चुनाव में जीतने के बाद स्वतंत्रता समर्थक डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (डीपीपी) के अपने सहयोगी साई इंग-वेन का स्थान लिया। लाई ने सोमवार को ताइपे में आयोजित एक समारोह में राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। चीन ताइवान को एक विद्रोही प्रांत मानता है और कहता है कि इसे मुख्य भूमि के साथ पुनः एकीकृत किया जाना चाहिए, भले ही इसके लिये बल का इस्तेमाल क्यों न करना पड़े। लाई की डीपीपी पार्टी चीन से स्वतंत्रता नहीं चाहती है, बल्कि उसका मानना है कि ताइवान पहले से ही एक संप्रभु राष्ट्र है।

कर्नल वू ने कहा कि लाई का भाषण बलपूर्वक और बाहरी ताकतों पर निर्भर होकर ताइवान की स्वतंत्रता प्राप्त करने के उनके प्रयासों की स्वीकारोक्ति है। उन्होंने कहा कि पीएलए इसका दृढ़ता से विरोध करती है और उसने कड़े जवाबी कदम उठाए हैं। वू ने कहा, ताइवान की स्वतंत्रता की मांग करने वाली अलगाववादी गतिविधियां ताइवान जलडमरूमध्य में शांति के लिए सबसे बड़ा वास्तविक खतरा हैं। वू ने कहा कि पीएलए राष्ट्रीय संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करने के मिशन पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि यह पूरी तरह से तैयार है, अत्यधिक सतर्क है, और ताइवान की स्वतंत्रता के किसी भी अलगाववादी प्रयास का मुकाबला करने और विदेशी हस्तक्षेप को विफल करने के लिए दृढ़ कार्रवाई करने के लिए तैयार है।

जनसभा

करसोग में गुरुवार को केन्द्रीय मंत्री नीतिन गड़करी की उपस्थिति में इस लोकसभा चुनावी दौरे की अंतिम जनसभा को सम्बोधित किया। इस अवसर पर मंडी से भाजपा प्रत्याशी कंगना रानौत ने भी जनसभा को संबोधित किया।

पाकिस्तान की अदालत ने नौ मई, 2023 के दंगों से जुड़े दो मामलों में इमरान खान को बरी किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की एक अदालत ने नौ मई, 2023 की हिंसा से संबंधित दो मामलों में जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को उनके खिलाफ अपर्याप्त सबूत का हवाला देते हुए बृहस्पतिवार को बरी कर दिया। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के संस्थापक खान के समर्थकों ने पिछले साल नौ मई को कथित भ्रष्टाचार मामले में उनकी गिरफ्तारी के बाद संवेदनशील सैन्य प्रतिष्ठानों सहित सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाया था।

पीटीआई संस्थापक के खिलाफ शहजाद टाउन पुलिस स्टेशन में दर्ज दो मामलों को चुनौती देने वाली याचिका को इस्लामाबाद के जिला एवं सत्र न्यायालय के न्यायिक मजिस्ट्रेट उमर शब्बीर ने मंजूरी दे दी। अदालत ने खान (71) को बरी करने का आदेश देते हुए अपने फैसले में कहा, चूंकि अभियोजन द्वारा पर्याप्त साक्ष्य पेश नहीं किए गए हैं, इसलिए पीटीआई संस्थापक को बरी किया जाता है। खान को 15 मई को दो मामलों में बरी कर दिया गया था। न्यायिक मजिस्ट्रेट साहिब बिलाल ने पूर्व प्रधानमंत्री की याचिका मंजूर करते हुए उन्हें बरी करने का आदेश जारी किया।

पाकिस्तान में एक निष्पक्ष दृष्टिकोण उभर रहा है: भारत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। पाकिस्तान के लाहौर समझौते का उल्लंघन करने संबंधी पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की टिप्पणी के कुछ दिनों बाद भारत ने बृहस्पतिवार को कहा कि पड़ोसी देश में इस मुद्दे पर एक निष्पक्ष दृष्टिकोण उभर रहा है। शरीफ ने मंगलवार को कहा था कि पाकिस्तान ने उनके और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के बीच 1999 में भारत के साथ हुए समझौते का उल्लंघन किया है। उनका इशारा जनरल परवेज मुशर्रफ द्वारा करगिल पर किए गए हमले की ओर था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, आप इस मुद्दे पर हमारी स्थिति से अवगत हैं। मुझे इसे दोहराने की आवश्यकता नहीं है। हम देखते हैं कि इस मामले पर पाकिस्तान में भी एक निष्पक्ष दृष्टिकोण उभर रहा है।

वह अपनी साप्ताहिक प्रेस वार्ता में इस मामले पर पूछे गए एक सवाल का जवाब दे रहे थे। लाहौर में ऐतिहासिक शिखर सम्मेलन के बाद, भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री वाजपेयी और शरीफ ने 21 फरवरी, 1999 को लाहौर घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए थे। दोनों पड़ोसी देशों के बीच शांति और स्थिरता के दृष्टिकोण पर बात करने वाला यह समझौता एक सफलता का संकेत है। कुछ महीने बाद, हालांकि जम्मू कश्मीर के करगिल जिले में पाकिस्तानी घुसपैठ के कारण भीषण संघर्ष हुआ। शरीफ ने पीएमएल-एन की आम परिषद की बैठक में कहा, 28 मई 1998 को पाकिस्तान ने पांच परमाणु परीक्षण किए। उसके बाद वाजपेयी साहब यहां आए और हमारे साथ समझौता किया।

बाढ़

असम के नगांव जिले के कामपुर में गुरुवार को ग्रामीण बाढ़ से भरी सड़क से गुजरता वाहन चालक।

7 जून को रिलीज होगी फिल्म 'रंग दे बसंती'

मुंबई/एजेन्सी

एसआरके म्यूजिक प्रस्तुत निर्माता रौशन सिंह और सुपर स्टार खेसारीलाल यादव की फिल्म रंग दे बसंती ,07 जून को रिलीज होगी। फिल्म निर्माता रौशन सिंह ने कहा कि फिल्म रंग दे बसंती की शूटिंग समाप्त होने के बाद से हम इसके प्रमोशन में लगे हैं. लेकिन अब हम सभी इसमें और तेजी ला रहे हैं. इसके लिए हमने खेसारीलाल यादव के कटआउट लगाया है। आने वाले दिनों में हम फिल्म के प्रमोशन में और भी तेजी लायेंगे। यह फिल्म भोजपुरी बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रचने वाली है। फिल्म हर एंगल से ब्लाक बस्टर बनी है और अब इसके रिलीज की तारीख नजदीक आ रही है। मेरा आग्रह होगा कि सभी लोग अपने परिवार के साथ जाकर फिल्म देखें. फिल्म मल्टीप्लेक्स में भी रिलीज हो रही है।

फिल्म रंग दे बसंती के निर्माता रौशन सिंह, सह निर्माता शर्मिला आर सिंहऔर निर्देशक प्रेमांशु सिंह हैं। यह फिल्म महाराष्ट्र, गुजरात, बिहार, झारखण्ड, दिल्ली, यूपी , पंजाब, उत्तराखंड, एम पी, छत्तीसगढ़, बंगाल, असम, उड़ीसा, तमिलनाडु, तेलंगाना, कर्नाटका, राजस्थान, जम्मू एंड कश्मीर और नेपाल में प्रमुखता से रिलीज होगी। इस फिल्म में खेसारीलाल यादव, अभिनेत्री रति पांडेय और डायना खान के साथ अमिताभ भट्टाचार्य, फिरोज खान और मास्टर ऋषभ यादव राज प्रेमी, मीर सरवर, अमित तिवारी, समर्थ चतुर्वेदी, प्रकाश जैश, ज्योति कलश, संजय महानंद, रीना रानी, श्रद्धा नवल, सुजान सिंह, सोनू पांडेय, रितु चौहान, रिंकू भारती, नेहा पाठक, खुशबू यादव, संजय वर्मा, अखिलेश कुमार अक्की, सूर्या द्विवेदी, निकिता भारद्वाज और चाहत प्रमुख भूमिका में हैं। फिल्म की कहानी मनोज कुशवाहा ने लिखी है। संगीतकार ओम झा है। गीतकार प्यारेलाल यादव ,अरविंद तिवारी, राकेश निराला, डॉ कृष्णा एन शर्मा और सत्य सावरकर हैं। डीओपी वासु, कोरियोग्राफर रिकी गुप्ता, कला राजीव शर्मा का है।फिल्म में बॉलीवुड के बड़े सिंगरों की आवाज भी सुनाई देगी।

'भूल भुलैया 3' में काम करेंगी माधुरी दीक्षित

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की धकधक गर्ल माधुरी दीक्षित फिल्म भूल भुलैया 3 में काम करती नजर आयेंगी। अनीस बज्मी के निर्देशन में बन रही फिल्म भूल भुलैया 3 में कार्तिक आर्यन ,विद्या बालन और तृप्ति डिमरी की अहम भूमिका होंगी। कुछ दिनों पहले माधुरी दीक्षित के फिल्म की स्टार कास्ट को ज्वाइन करने की खबर आई थी।

'भूल भुलैया 3' सेट से कुछ तस्वीरें सामने आई हैं।इस हॉरर-कॉमेडी फिल्म में माधुरी दीक्षित की एंट्री कन्फर्म हो गई है। भूल भुलैया 3 के सेट पर उन्हें ब्लैक साड़ी में देखा गया। इसके साथ ही विद्या बालन का भी लुक सामने आया है। वह भी माधुरी की तरह ब्लैक साड़ी में नजर आ रही हैं। तृप्ति डिमरी लाल साड़ी में बंगाली लुक में नजर आ रही हैं।

वहीं, कार्तिक आर्यन, रुह बाबा वाले अवतार में नजर आ रहे हैं। इस फिल्म का हिस्सा मनीष वाधवा और राजेश शर्मा भी होंगे। राजेश शर्मा बंगाली अटायर में देखे जा सकते हैं। वहीं, मनीष शर्मा पंडित के लुक में नजर आ रहे हैं।

'गोवर्धन' में एक्शन अवतार में नजर आएंगे भाऊसाहब शिंदे

मुंबई/एजेन्सी

मराठी फिल्मों के जानेमाने अभिनेता भाऊसाहब शिंद हिंदी-मराठी फिल्म 'गोवर्धन' में एक्शन अवतार में नजर आयेंगे। भाऊसाहब शिंदे ने मराठी फिल्म 'बबन' में डैसिंग हीरो के तौर पर नजर आये।मराठी फिल्म 'रौंदल' में वह एक्शन हीरो के रूप में नजर आये।भाऊसाहब दर्शकों को फिर एक बार एक्शन मोड में नजर आने वाले हैं। भाऊसाहब की हिंदी और मराठी भाषा में बननेवाली 'गोवर्धन' फिल्म की हाल ही में घोषणा की गयी है।भूमिका फिल्म्स एंड एन्टरटेन्मेंट के बैनर तले बालासाहब शिंदे और प्रमोद भास्कर चौधरी 'गोवर्धन' फिल्म को निर्मित कर रहे हैं। राईज बिझनेस ग्रुप इस फिल्म के को-प्रोड्युसर हैं।इस फिल्म का निर्देशन गजानन नाना पडोल कर रहे हैं।'गोवर्धन' फिल्म का नया पोस्टर हाल ही में रिलीज कर दिया गया है। इस पोस्टर पर भाऊसाहब का एंग्री यंग मॅन लुक दर्शकों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने मे काययाब हो रहा है।'गोवर्धन' के पोस्टर में नायक अपनी पीठ पर बछड़ा बांधे हुए है और खलनायक को रौंदने के लिए तैयार है।

फिल्म 'गोवर्धन' को लेकर भाऊसाहब ने कहा कि, हालांकि इस फिल्म में वह एक बार फिर एक्शन फॉर्म में नजर आएंगे, लेकिन यह विषय काफी अलग और संवेदनशील है। इस फिल्म में हमारे दैनिक सामाजिक जीवन के मुद्दों को बडे साहसपूर्वक प्रस्तुत किया जाएगा। इसमें कोई शक नहीं कि यह फिल्म देश की भयावह हकीकत को सिल्वर स्क्रीन पर पेश कर समाज को आईना दिखाने का भी काम करेगी। हिंदू धर्म में गाय को माता माना जाता है। उसी गाय की रक्षा के लिए खड़े हुए वीर नायक की कहानी 'गोवर्धन' में है। इस के अलावा समाज के अन्य मुद्दों पर भी इस फिल्म में प्रकाश डाला जायेगा।

नंदमूरि बालकृष्ण ने अभिनेत्री अंजलि को मंच पर दिया धक्का, गिरते-गिरते बची

मुंबई/एजेन्सी

तेलुगू सुपरस्टार नंदमूरि बालकृष्ण एक जाने माने अभिनेता हैं। अब तक के करियर में उन्होंने कई हिट फिल्में दी हैं। अपनी फिल्मों के अलावा नंदमुरी सोशल मीडिया पर भी खूब छाए रहते हैं। इसी बीच अब नंदमुरी बालकृष्ण का एक चौंकाने वाला वीडियो सामने आया है, जिसे देखने के बाद सोशल मीडिया पर लोग जमकर ट्रोल कर रहे हैं। इस वीडियो में नंदमुरी एक इवेंट में हैं और उन्होंने अचानक ही स्टेज पर अभिनेत्री अंजलि को धक्का मार दिया। इस धक्के के जोर से अंजलि गिरते-गिरते बची। नंदमूरि बालकृष्ण का ये वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। ये वीडियो बुधवार शाम का 'गैंग ऑफ गोदावरी' के इवेंट का है। इस प्री-रिलीज इवेंट में फिल्म अभिनेत्री अंजलि, नेहा शेट्टी और बाकी स्टारकास्ट के साथ नंदमूरि भी शामिल हुए थे। इस दौरान वीडियो में आप देख सकते हैं कि नंदमूरि स्टेज पर आते हैं और वो नेहा शेट्टी को जगह बनाने के लिए कहते हैं। अंजलि साड़ी की वजह से थोड़ा धीरे से खिसक रही होती हैं। लेकिन तभी नंदमूरि बिना कुछ बोले ही अचानक अंजलि को धक्का दे देते हैं। उनका ये बर्ताव देखकर सभी हैरान रह जाते हैं।

नंदमूरि की इस हरकत से पहले जहां अंजलि शॉक्ड होती हैं, वहीं, इवेंट को ध्यान में रखते हुए जोर-जोर से हंसने लग जाती हैं। लेकिन धक्के की वजह से उनका पूरा बैलेंस बिगड़ जाता है तभी नेहा उनका हाथ पकड़ लेती हैं और वो गिरने से बच जाती हैं। इसके बाद नंदमूरि बालकृष्ण भी दोनों एक्ट्रेस से कुछ कहते नजर आते हैं। ये वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस पर कमेंट कर लोग नंदमूरि को भला बुरा सुना रहे हैं। एक यूजर ने इस पर कमेंट करते हुए लिखा, 'एक टैलेंटेड एक्ट्रेस को बुरी तरह से ट्रीट किया गया।' एक लिखता है- 'एक घटिया एक्टर द्वारा इतनी घटिया और शर्मनाक हरकत।'

एक्ट्रेस होने से थोड़ा टफ है बिजनेसवुमन होना : सोनाक्षी सिन्हा

मुंबई/एजेन्सी

सोनाक्षी सिन्हा की गिनती बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेस में होती है। उन्होंने हाल ही में संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज 'हीरामंडी: द डायमंड बाजार' को लेकर खूब सुर्खियों बटोरी। उन्होंने 'फरीदन' का बेहतरीन रोल प्ले किया, जिसके लिए उन्हें दर्शकों से खूब सराहना मिली। सोनाक्षी एक्ट्रेस के साथ-साथ एक बिजनेसवुमन भी हैं। वह आर्टिफिशियल नेल ब्रांड सोएजी की मालकिन हैं। आईएएनएस के साथ एक्सक्लूसिव बातचीत में एक्ट्रेस ने बताया कि बिजनेसवुमन होना एक्ट्रेस होने से थोड़ा टफ है। एक्ट्रेस या बिजनेसवुमन में से क्या ज्यादा मुश्किल क्या है, इस सवाल का जवाब देते हुए सोनाक्षी ने आईएएनएस से कहा, मुझे लगता है कि एक्टिंग मेरे खून में बसा है। मैंने हमेशा सब कुछ चलते-फिरते सीखा है। लेकिन मुझे कभी भी कुछ भी करने में अनकंफर्टेबल महसूस नहीं हुआ। एक एंटरप्रेन्योर के तौर पर, यह बहुत ही नया है।''

मैं बिजनेस में शुरू से सब कुछ सीख रही हूं, जितना हो सके उतना इसमें शामिल हो रही हूं। यह मेरे लिए कुछ हटके है। मुझे यह वाकई पसंद आ रहा है। मुझे लगता है कि यह मेरे लिए एक्टिंग से थोड़ा टफ है, क्योंकि इससे मैं पहले कभी नहीं जुड़ी।'' एक्ट्रेस ने कहा, मैं बिजनेस में बहुत सी चीजें सीख रही हूं और मुझे लगता है कि मैं इसमें काफी अच्छा कर रही हूं। पर्सनल लाइफ के बारे में बात करें तो सोनाक्षी को म्यूजिक सुनना बहुत पसंद है। उन्होंने बताया कि उनकी प्लेलिस्ट में कई तरह के सॉन्ग हैं। सोनाक्षी ने कहा, मुझे म्यूजिक सुनना बेहद पसंद है। आप हिंदी फिल्मी गानों से लेकर पंजाबी म्यूजिक और हाउस म्यूजिक तक कुछ भी पा सकते हैं। मुझे पर्कशन बहुत पसंद है। मुझे सिर्फ बीट्स वाले इंस्ट्रुमेंटल सॉन्ग पसंद हैं। हालांकि, पंजाबी म्यूजिक उनकी प्लेलिस्ट में सबसे ज्यादा है। एक्ट्रेस ने कहा, यह कुछ ऐसा है जो आपको मेरी प्लेलिस्ट में मिलेगा। यह बहुत ही रैंडम लिस्ट है, लेकिन मैं बहुत सारा पंजाबी म्यूजिक सुनती हूं।

बता दें कि सोनाक्षी सिन्हा के अलावा, कई ऐसी एक्ट्रेस हैं, जो एक्टिंग के साथ-साथ अपने बिजनेस पर भी फोकस कर रही हैं और मोटी कमाई कर रही हैं। इस लिस्ट में अनुष्का शर्मा, कैटरीना कैफ, आलिया भट्ट, सोनम कपूर, लारा दत्ता, प्रियंका चोपड़ा, मसाबा गुप्ता, सनी लियोनी, लीसा हेडन, दीपिका पादुकोण, जैकलीन फर्नांडीज और रिया कपूर जैसे नाम शामिल हैं। एक तरफ जहां कैटरीना 'के ब्यूटी' की मालकिन हैं, वहीं आलिया क्लोदिंग ब्रांड को बेहतरीन तरीके से संभाल रही हैं।

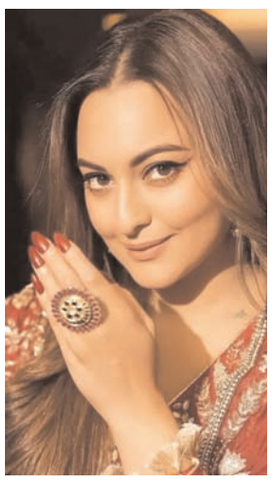

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | शुक्रवार | 31-05-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

अक्षय तृतीया का पवित्र दिन जैन धर्म के अनुसार इस युग के भिक्षा विधि के प्रारम्भ का दिन हैं। इस दिन भगवान ऋषभदेव के एक वर्ष से ऊपर की तपस्या का पारणा हुआ था। भगवान ऋषभ का तप अनुपमेय था। भगवान ऋषभ इस युग के प्रथम राजा कहलाए, प्रथम मुनि बने, प्रथम भिक्षुक कहलाए और प्रथम तीर्थंकर बने। भगवान ऋषभ का जीवन समग्रता लिए हुए था। जिन्होंने समाज के लिए भी अपना समय लगाया, लोगों को असि, मषि, कृषि का प्रशिक्षण दिया और बाद में साधना में लीन बने।

महाप्रभावक मंत्र साधना का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां आचार्यश्री महाश्रमण की शिष्या साध्वी डॉ. गवेषणाश्रीजी के सान्निध्य कुबेर बैंकेट हाल किलपॉक में महाप्रभावक मंत्र साधना का आयोजन रखा गया। अशोक परमार ने आंगतुक का स्वागत किया।

साध्वीश्री ने मंत्र की साधना ॐ ह्रीं श्रीं अर्हं आ गौतम स्वामी ने नमः और ॐ ह्रीं नमः इत्यादि मंत्र की साधना लगभग दो घंटे करवाया और मंत्र की साधना कब कैसे करनी चाहिए विस्तार से बताया कि मंत्र की साधना में समाहित है चौबीस तीर्थंकरों की स्तुति, कर्म निर्जरा का साधन, सर्वसिद्धिदायक सुप्त शक्ति का जागरण जिसकी साधना करने से हम आगे के मार्ग की और बढ़ सकते हैं।

साध्वीश्री मयंकप्रभाजी ने फ़रमाया मंत्र की साधना के भी नियम होते हैं एक छोटे से उदाहरण के माध्यम से बताया गाडी खराब हो गई सभी ने अपने -अपने हिसाब से मेहनत की गाड़ी नहीं चली और मैकेनिक आया एक हथौडा मारा और गाड़ी चल गयी कहने का तात्पर्य मंत्र की साधना करने से पहले उसकी विधि जानना जरूरी होता है तभी साधना की सार्थकता होगी। मंत्र की साधना कब करना, समय आदि का ध्यान रखना होगा। साध्वीश्री दक्ष प्रभाजी ने बहुत ही सुन्दर गीतिका का संगान करके वातावरण को संगीत मय बना दिया। लगभग 250 भाई- बहनों की उपस्थिति रही। सभी संघीय संस्थाओं के पदाधिकारियों और कार्यकताओं की उपस्थिति रही। धन्यवाद ज्ञापन हर्षा परमार ने दिया।

आचार्य आनंदऋषि साहित्य पुरस्कार के लिए प्रविष्टियां आमंत्रित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। आचार्य आनंदऋषि साहित्य निधि, हैदराबाद द्वारा 33वें आचार्य आनंदऋषि साहित्य पुरस्कार के लिए प्रविष्टियां आमंत्रित की गई हैं। साहित्य निधि के अध्यक्ष सुरेश बोहरा ने बताया कि यह वार्षिक पुरस्कार तमिलनाडु, कर्नाटक, पुदुचेरी, केरल, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र और गुजरात में रहने वाले हिंदीतर भाषी हिंदी साहित्यकारों को उनके उत्कृष्ट हिंदी सृजन और हिंदी सेवाओं के लिए प्रदान किया जाता है।

साहित्य निधि के कार्यदर्शी सुरेश गुगलिया ने बताया कि चयनित साहित्यकार को आचार्य आनंदऋषि की जयंती पर गरिमामय समारोह में धनराशि, शाल, प्रशस्ति पत्र एवं आचार्यश्री का साहित्य प्रदान किया जाता है। प्रविष्टि 25 जून तक सुरेश गुगलिया (9885161541) को 23-5 -712-ए, शाह अली बंडा, हैदराबाद के पते पर भेजी जा सकती है।

साहित्यकार डॉ. दिलीप धींग ने बताया कि 1991 में शुरू हुआ यह प्रतिष्ठित सम्मान अब तक 32 साहित्यकारों को प्रदान किया जा चुका है। तमिलनाडु से यह सम्मान पाने वालों में डॉ. बालशौरि रेड्डी, डॉ. एम. शेषन, डॉ. एस. सुब्रह्मण्यन विष्णुप्रिया, रुक्माजी राव अमर आदि सम्मिलित हैं।

माइक्लब द्वारा 950 विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति दी गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां माइक्लब सोशल वेलफेयर एसोसिएशन के तत्वावधान में हाल ही में 15वां छात्रवृत्ति समारोह पैरिस कॉर्नर स्थित राजा अन्नामलाई मंडरम में हुआ। मुख्य अतिथि नरेंद्र जैन (वेंकटेश्वरा होम), दिपेश शाह (कांजी करपुरम), महावीर कात्रेला, विशिष्ट अतिथि जयंतीलाल ऋषभ भुरट् आदि ने दीप प्रज्वलित किया।

समारोह गौरव सुनील नाहर, दीपचंद लुनिया, जयचंद धनराज टाटिया, उर्वेश डोसी, प्रदीप सेठिया, प्रकाशचंद, प्रवीण ललवानी आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम के मध्य में हार्बर क्षेत्र के विधायक एवं मंत्री शेखर बाबू की उपस्थिति ने कार्यक्रम में चार चांद लग गए।

अतिथियों ने माई क्लब के द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की गई और भविष्य में भी इस तरह के कार्य के लिए साथ देने का वादा किया। छात्रवृत्ति से बच्चे स्वावलंबी बने और बिना किसी अवरोध के अपनी पढ़ाई पूरी कर सकें। नीना रेड्डी ने अगले 5 साल तक माई क्लब की छात्रवृत्ति कार्यक्रम के लिए मदद करने का वादा किया। माई क्लब के अध्यक्ष पूनमचंद गोलेछा ने सबका स्वागत किया।

माई क्लब द्वारा इस वर्ष 950 बच्चों को छात्रवृत्ति, 950 बैग, 2100 पुस्तकें, कांची करपुरम लिमिटेड से दिपेश शाह एवं कविता शाह की तरफ से 20 लैपटॉप, प्रवीण ललवानी की तरफ से 11लैपटॉप और 100 स्कूल बैग, दीपचंद लुनिया की तरफ से 150 स्कूल यूनिफॉर्म, 150 पोशाक भेंट की गई। ज्ञानचंद सुनील मेहता की तरफ से 1200 लंच बॉक्स, स्कूल बैग, वाटर बोतल नोटबुक, स्टेशनरी का वितरण किया गया। पीके मुरली एवं जयंतीलाल भुरट की तरफ से बच्चों के भोजन की व्यवस्था थी। मंच का संचालन मनोज झामड़ ने किया।

कार्यक्रम का सारा डिजिटल कार्य चिराग जैन ने किया। अंत में सचिव अरविंद दर्डा ने सबको धन्यवाद ज्ञापित किया।

चादर महोत्सव — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पूना में 29 मई को डॉ. शिवमुनिजी म. सा. एवं महाराष्ट्र प्रवर्तक कुंदनऋषिजी म. सा. की आज्ञा से साध्वी डॉ. प्रतिभाजी म. सा. को महाराष्ट्र प्रवर्तिनी पद से अलंकृत किया है। इस मौके पर चर्तुविद संघ के सान्निध्य में महाराष्ट्र प्रवर्तिनी चादर महोत्सव गुरु भक्तों की उपस्थिति में जयघोष के साथ सम्पन्न हुआ। चेन्नई से श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन महासंघ चातुर्मास समिति 2021 की तरफ से चादर ओढ़ाकर महासतीजी का सम्मान किया गया। इस मौके पर समिति की तरफ से महावीरचंद कोठारी, रमेश ओस्तवाल, कमल गांधी, विजयराज गांधी, महावीर बाफना, शांतादेवी गांधी, सूरजबाई बोहरा की उपस्थिति रही।

उत्तर चेन्नई सभा के अध्यक्ष बने इन्दर चन्द डूंगरवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां तंडियार पेट में जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा ट्रस्ट भवन में उत्तर चेन्नई श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा (तंडियारपेट) की साधारण सभा सम्पन्न हुई। बैठक का मंगलाचरण से एवं श्रावक निष्ठा पत्र वाचन के साथ शुभारंभ हुआ। ट्रस्ट के प्रबंध न्यासी पूनमचन्द मांडोत ने पधारे सभी का स्वागत किया। महासभा के संवाहक देवराज आच्छा, उत्तर तमिलनाडु के आंचलिक प्रभारी विमल चिप्पड़ की उपस्थिति में सभा गठन हेतु पूरी जानकारी दी। तत्पश्चात सभी सदस्यों की उपस्थिति में नवगठित सभा के लिए अध्यक्ष इन्दरचन्द डूंगरवाल के नाम की सहमति हुई। इंदरचंद डूंगरवाल को वर्ष 2 024 -2026 के अध्यक्ष मनोनीत हेतु महासभा परिवार ने बधाइयां दी। प्रबंधन्यासी पूनम चन्द मांडोत एवं निवर्तमान प्रबंध न्यासी महेंद्र मंडोत ने बधाइयां दी। इन्दर चन्द डूंगरवाल ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। धन्यवाद ज्ञापन प्रकाशचन्द बोहरा ने किया।

ब्यावर संघ युवा शाखा द्वारा नि:शुल्क जॉब पोर्टल की शुरुआत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां श्री ब्यावर संघ के तत्वावधान में श्री ब्यावर संघ युवा शाखा द्वारा अपने व्यावसायिक और सामाजिक दायित्वों के तहत समाज के अनुभवी, फ्रेशर्स, इन्टर्न्स, युवाओं, बालिकाओं और महिलाओं लिए जॉब पॉर्टल के द्वारा जॉब दिलाने की शुरुआत की गई। युवा अध्यक्ष ललित डाकलिया ने इस कार्यक्रम की जानकारी देते हुए कहा कि इसमें कोई भी व्यक्ति अपनी व्यावसायिक गतिविधियों के लिए रजिस्ट्रेशन करके किसी को भी जॉब प्रदान कर सकते हैं। इसके साथ ही किसी को भी जॉब की आवश्यकता है तो भी जॉब प्राप्त करने के लिए रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। महामंत्री कुलदीप छाजेड़ ने बताया कि यह सुविधा पूर्णतया नि:शुल्क ब्यावर संघ युवा शाखा द्वारा जॉब्स के अच्छे अवसरों को तलाश रहे युवाओं और युवतियों के लिए प्रदान की जा रही है। कार्यक्रम के संयोजक महावीर गुगलिया ने बताया कि प्रति सप्ताह जॉब देने वालों और जॉब चाहने वालों की लिस्ट जारी की जाएगी, जिसमें से सूटेबल केंडिडेट को फोन करके इन्टरव्यू के लिए कॉल किया जा सकेगा। साथ ही केंडिडेट भी अपने सूटेबल जॉब के लिए कॉल कर सकते हैं। इस कार्यक्रम के संयोजक ललित डाकलिया, कुलदीप छाजेड़, महावीर गुगलिया, कुनाल मरलेचा, सुशील बाफना, सुनील भण्डारी, प्रतीक गादिया, मनीष बाफना और आशीष भन्साली होंगे।

पुलिस सदैव जनसहयोग के लिए तत्पर : पुलिस आयुक्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। कानून व्यवस्था को सुनिश्चित करने के लिए हुब्बल्ली धारवाड़ महानगर पुलिस आयुक्त रेणुका सुकुमार द्वारा केशवपुर पुलिस स्टेशन क्षेत्र में एक विशेष नागरिक सभा का आयोजन क्षेत्र के सिंधु भवन में किया।

इस मौके पर पुलिस आयुक्त रेणुका सुकुमार ने कहा की केशवपुर पुलिस थाना क्षेत्र में 2 लाख से ज्यादा आबादी आती है और पुलिस स्टेशन में मात्र 71 कर्मचारियों का स्टॉफ है।

हम खाकी वर्दी में आपकी सेवा में उपस्थित हैं। आप सभी बिना खाकीके पुलिस है और आप हमें सदैव सहयोग प्रदान करते रहें। सुकुमार ने बच्चो के बारे में परिजनों से कहा कि वे भी अपने बच्चों की संगत और चाल-चलन पर पूरा ध्यान रखें। अभिभावकों को चाहिए कि 18 वर्ष से कम आयु वर्ग के बच्चों को वाहन चलाने न दें। सभी ट्रॉफिन नियमों का पालन करें। जिससे दुर्घटनाओं में कमी आएगी। उन्होंने बताया कि महिलाओं की सुरक्षा के लिए चेन्नम्मा दल का गठन किया गया है जिसके अंतर्गत किसी भी प्रकार के सहयोग के लिए महिलाएं चेन्नम्मा दल से सम्पर्क कर सहयोग प्राप्त कर सकती हैं। साथ ही उन्होंने स्थानीय सभी रहवासियों से अनुरोध किया कि आप अपने अपने घरों में सीसी टीवी कैमरा लगवाते हैं तो सथ में मुख्य द्वारा जो कि रोड की तरफ हो उस ओर से कैमरा लगवाएं जिससे अपराध को रोकने में मदद मिलेगी।

व्यक्ति के विचारों का प्रभाव शरीर पर पड़ता है, सदैव सकारात्मक रहें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां आरआर नगर के तेरापंथ महिला मंडल द्वारा साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी एवं साध्वीश्री उदितयशाजी के सान्निध्य में 'कैसे स्वस्थ रहे' कार्यशाला का आयोजन किया गया। साध्वीवृंद के नमस्कार महामंत्र के उच्चारण से कार्यशाला प्रारंभ हुई। मंडल की सदस्यों द्वारा मधुर मंगलाचरण किया गया। अध्यक्ष सुमन पटावरी ने सभी उपस्थितों का हार्दिक स्वागत किया।

साध्वीश्री आस्थाप्रभाजी ने भावनात्मक एवं शारीरिक स्वास्थ्य की महता समझाते हुए कहा कि प्रत्येक विचारों का प्रभाव शरीर पर पड़ता है। इसलिए सदा सकारात्मक सोचे, दुख में सुख निकाले। निंदा, ईर्ष्यालु प्रवृत्ति से दूर रहे। साथ ही दोनों स्वर की उपयोगिता बताई। साध्वीश्री उदितयशाजी ने जागरूकता, संकल्प एवं प्रयोग के द्वारा हम स्वस्थता की ओर बढ़ सकते हैं इसके बारे में बताया। खाना बनाते व खाते समय भावों के प्रभाव के बारे में समझाया। अमृतम: आहारम शब्दावली से अपने आप को खाने से पहले भावित करने को कहा। इस प्रकार संतुलित आहार द्वारा शरीर, मन एवं भाव स्वस्थत रह सकते हैं, इसकी जानकारी दी। आभार एवं संचालन मंत्री पदमा मेहर ने किया। साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी द्वारा मंगल पाठ से कार्यशाला संपन्न हुई।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.